संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -204 रविवार ,26 मई 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

लोकसभा चुनाव 2024:छठवें चरण की वोटिंग हुई समाप्त

» शाम पांच बजे तक हुआ 58 फीसदी मतदान...

» छठे चरण में बंगाल में पड़े सबसे ज्यादा वोट...

» पीएम मोदी ने मतदाताओं को दिया धन्यवाद...

दिल्ली,25 मई 2024(ए)। दिल्ली समेत 8 राज्यों की 58 सीटों पर शनिवार को वोटिंग खत्म हो गई। चुनाव आयोग के मुताबिक, शाम पांच बजे तक 57.70 प्रतिशत वोटिंग हुई है। पश्चिम बंगाल में सबसे अधिक 77 फीसदी वोटिंग हुई है। जबकि सबसे कम मतदान उत्तर प्रदेश में हुआ

दिल्ली समेत 8 राज्यों की 58 सीटों पर शनिवार को वोटिंग खत्म हो गई। चुनाव आयोग के मुताबिक, शाम पांच बजे तक 57.70 प्रतिशत वोटिंग हुई है। पश्चिम बंगाल में सबसे अधिक 77 फीसदी वोटिंग हुई है। जबकि सबसे कम मतदान उत्तर प्रदेश में हुआ। चुनाव आयोग के मुताबिक, शाम पांच बजे तक जम्मू-कश्मीर में 51.35 प्रतिशत,झारखंड में 61.41 प्रतिशत,राजधानी दिल्ली में 53.73 प्रतिशत,उड़ीसा में 59.60 प्रतिशत,उत्तर प्रदेश में 52.02 प्रतिशत और पश्चिम बंगाल में 77.99 प्रतिशत मतदान हुआ है।

दिल्ली-हरियाणा समेत 8 राज्यों में शनिवार सुबह 7 बजे मतदान शुरू हुआ। पश्चिम बंगाल में कुछ जगहों से हिंसा की खबरें भी सामने आई हैं। जानकारी के मुताबिक, पश्चिम बंगाल के झारग्राम में टीएमसी कार्यकर्ताओं ने बीजेपी प्रत्याशी के ऊपर हमला कर दिया। वहीं, उड़ीसा, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल से ईवीएम खराब होने की शिकायतें भी सामने आई हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू समेत दिग्गजों ने दिल्ली में किया वोट

दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू,उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने वोट किया। दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने अपने परिवार समेत वोट डाला। इसके अलावा चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ अपनी पत्नी के साथ वोट डालने पहुंचे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी, सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा ने अभी अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने भी अपनी पत्नी के साथ वोट डाला। क्रिकेटर गौतम गंभीर भी चेन्नई से दिल्ली वोट डालने पहुंचे। पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने रांची में अपनी पत्नी के साथ वोट डाला। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने परिवार के साथ वोट किया। दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी, सौरभ भारद्वाज, गोपाल राय, कैलाश गहलोत भी वोट डालने पहुंचे। नूपुर शर्मा ने भी मतदान किया। आप सांसद स्वाति मालीवाल ने अपने पोलिंग बूथ पर जाकर मतदान किया।

हरियाणा में नेताओं ने किया वोट

वहीं, हरियाणा में कांग्रेस नेता दीपेंद्र हुड्डा, पूर्व मुख्यमंत्री और करनाल से बीजेपी के लोकसभा प्रत्याशी मनोहर लाल खट्टर, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, अंबाला में अनिल विज ने भी अपने मताधिकार का प्रयोग किया। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा भी वोट डालने पहुंचे। बता दें कि लोकतंत्र के इस उत्सव में जनता बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रही है।

इस चरण में कई दिग्गज नेताओं की किस्मत ईवीएम में कैद हो गई है। भोजपुरी अभिनेता और उत्तर-पूर्वी दिल्ली से बीजेपी प्रत्याशी मनोज तिवारी, आजमगढ़ से दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ, गोरखपुर से रवि किशन, उत्तर-पूर्वी से इंडी गठबंधन के प्रत्याशी कन्हैया कुमार, पुरी से संबित पात्रा, नई दिल्ली से दिवंगत नेता सुषमा स्वराज की बेटी बांसुरी स्वराज समेत कई दिग्गजों की किस्मत ईवीएम में कैद हो गई है। इसके अलावा, उड़ीसा में तीसरे चरण के विधानसभा चुनाव भी हुए हैं। इस चरण में 11 करोड़ मतदाताओं ने अपने मतों का प्रयोग किया है। अब तक छह चरणों में अब तक 486 सीटों पर मतदान हो चुका है। सातवें और अंतिम चरण में का मतदान 1 जून को होगा। 4 जून को नतीजे घोषित किए जाएंगे।

मतदान करने पहुंचे सोनिया-राहुल

पहली बार कांग्रेस को नहीं दिए वोट

लोकसभा चुनाव 2024 के छठे चरण में दिल्ली की सभी सात सीटों पर मतदान जारी है। सोनिया गांधी और राहुल गांधी सुबह करीब 9.30 बजे मतदान करने पहुंचे। यह पहला मौका है जब गांधी परिवार ने गैर कांग्रेसी उम्मीदवार को वोट किया है। गांधी परिवार के ये तीनों सदस्य (सोनिया, राहुल और प्रियंका वाड्रा) जिस नई दिल्ली सीट से मतदाता हैं,वो इस बार आम आदमी पार्टी के खाते में गई है। नेहरू-गांधी परिवार के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ जब कोई सदस्य कांग्रेस के अलावा किसी अन्य दल के लिए मतदान करेगा। बता दें कि इस बार यहां कांग्रेस और आम आदमी पार्टी आपस में गठबंधन कर चुनाव लड़ रहे हैं। अरविंद केजरीवाल की पार्टी जहां 4 सीट पर लड़ रही है, वहीं कांग्रेस ने 3 सीट पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं।

पीएम मोदी ने मतदाताओं को दिया धन्यवाद

पीएम मोदी ने छठे चरण के मतदान के बाद मतदाताओं को धन्यवाद दिया। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि एनडीए के आंकड़े लगातार बेहतर हो रहे हैं। लोगों को अब अहसास हो गया है कि इंडिया गठबंधन सत्ता के आसपास भी नहीं है, ऐसे में उन्हें वोट करना बेकार है।

बिहारी किसी से डरता नहीं है...

बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री व आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने पीएम मोदी की टिप्पणी पर कहा, बिहारी गुजराती से डरता नहीं है। यह झारखंड और दिल्ली नहीं है, एक बार हाथ लगाकर तो दिखाइए। बिहारी किसी से डरता नहीं है, हमारे भगवान कृष्ण का जन्म ही जेल में हुआ है। एक 75 साल के बुजुर्ग एक 34 साल के नौजवान को धमकी दे रहे हैं कि हमें चुनाव हराओगे तो हम तुम्हें जेल भेज देंगे...जनता फैसला करेगी।

चिराग पासवान का तेजस्वी यादव पर तीखा हमला

आरजेडी(रामविलास) प्रमुख चिराग पासवान ने आरजेडी नेता तेजस्वी यादव के बयान पर कहा, जो प्रधानमंत्री 3 बार गुजरात के मुख्यमंत्री रह चुके हैं, जो संविधान के आधार पर तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे हों उन्हें संविधान का ज्ञान नहीं होगा और इन्हें (तेजस्वी यादव) ज्ञान होगा?...जिस व्यक्ति ने पिछले 25 साल से प्रदेश और देश की राजनीति में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिनकी वजह से देश ही नहीं दुनिया में भारत का डंका बजता है...जिन्होंने देश को विश्वास दिलाया कि देश संविधान के आधार पर चलेगा उन्हें संविधान का ज्ञान नहीं होगा और जो लोग जाति, धर्म के आधार पर देश को बांटने का प्रयास करते हों, नौकरी के बदले जमीन हथियाने का काम करते हों उन्हें संविधान का ज्ञान होगा।

भाजपा नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने परिवार समेत डाला वोट

भाजपा के राष्ट्रीय सचिव मनजिंदर सिंह सिरसा ने अपने परिवार के साथ लोकसभा चुनाव 2024 के छठे चरण के लिए मतदान किया।

पवन खेड़ा ने किया बड़ा दावा

बिहार के पटना में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान पर कहा,उन्हें दावा करने दीजिए, सच्चाई वे अच्छी तरह जानते हैं। उनकी एजेंसियों ने उन्हें बहुत स्पष्ट रूप से बताया है कि उन्हें 180 या उससे भी कम सीटें मिलेंगी और यही कारण है कि प्रधानमंत्री एक ऐसी भाषा में बात कर रहे हैं जिसका उपयोग किसी अन्य प्रधानमंत्री ने कभी नहीं किया।

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भुवनेश्वर में किया मतदान

ओडिशा के भुवनेश्वर में केंद्रीय मंत्री और संबलपुर लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार धर्मेंद्र प्रधान ने मतदान किया।

बंगाल में भाजपा उम्मीदवार पर हमला

बंगाल की झारग्राम लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार प्रणत टुडु पर हमला हुआ। भाजपा उम्मीदवार मोंगलापोटा के बूथ नंबर 200 पर पहुंचे थे, इसी दौरान उपद्रवियों ने उन पर हमला कर दिया और पथराव किया। किसी तरह सुरक्षाकर्मियों ने भाजपा उम्मीदवार को बचाया। हालांकि हमले में भाजपा उम्मीदवार घायल हुए हैं। भाजपा उम्मीदवार ने हमले के बाद कहा हमें कल ही सूचना मिली थी कि मोंगलापोटा में भाजपा के मतदाताओं को वोट देने नहीं दिया जाएगा। इस वजह से हम यहां ये चेक करने आए थे कि क्या समस्या है। यहां 200 के करीब लोगों ने हम पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया और हम पर पथराव किया। अगर केंद्रीय बलों ने नहीं बचाया होता तो यहां हमारी हत्या हो सकती थी। हमें स्थानीय पुलिस से कोई सुरक्षा नहीं मिली। दीदी सीएए लागू नहीं करना चाहतीं और देश को पाकिस्तान बनाना चाहती हैं।

संक्षिप्त खबर

विधायक राकेश दौलताबाद का हार्ट अटैक से निधन

राजनीतिक गलियारों में हलचल

गुरुग्राम,25 मई 2024(ए)। लोकसभा चुनाव के छठे चरण में हरियाणा की सभी 10 संसदीय सीटों पर मतदान के बीच गुरुग्राम के बादशाहपुर से निर्दलीय विधायक राकेश दौलताबाद का शनिवार को हार्ट अटैक से निधन हो गया। सुबह 10:30 बजे हार्ट अटैक आने के बाद उन्हें पालम विहार स्थित मणिपाल हॉस्पिटल ले भर्ती कराया गया था, जहां उनका कुछ देर उपचार चला।लेकिन निर्दलीय विधायक की जान नहीं बच सकी।

मॉल के गेमिंग जोन में लगी भीषण आग

» 10 लोगों की दर्दनाक मौत

राजकोट,25 मई 2024 (ए)। गुजरात में राजकोट में स्थित बड़े टीआरपी मॉल के गेमिंग जोन में भयंकर आग लगी जिसकी वजह से चार लोगों की मौत हो गई। आपको बता दें कि राजकोट शहर में टीआरपीगेमिंग जोन में लगी आग लगे से अफरा-तफरी मच गई है। अब तक 4 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। गुजरात के मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को पीड़ितों को तत्काल राहत पहुंचाने और घायलों के तत्काल इलाज की व्यवस्था को प्राथमिकता देने के भी निर्देश दिए गए हैं।

गुजरात में राजकोट शहर के कालावड रोड पर स्थित टीआरपी गेम जोन में शनिवार दोपहर को भीषण आग लग गई। हादसे में एक बच्चे समेत 6 लोगों की मौत हो गई है। फायर ब्रिगेड की कई टीमें आग

पर काबू पाने की कोशिश कर रही हैं। पुलिस कमिश्नर राजू भार्गव और कलेक्टर आनंद पटेल भी मौके पर मौजूद हैं। गेमजोन में काफी संख्या में लोग मौजूद थे, जिनका रेस्क्यू जारी है।

फायर ब्रिगेड से मिली जानकारी के अनुसार पूरा गेमजोन जलकर खाक हो गया। मृतकों में एक बच्चा भी शामिल है। मृतकों के शव इतनी बुरी तरह झुलसे हैं कि उनकी शिनाख्त नहीं हो सकी है। अब तक 10 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला जा चुका है। फायर ब्रिगेड ने पूरे एरिया में मेजर कॉल घोषित कर दिया है। नगर निगम आयुक्त आनंद पटेल ने कहा कि अब तक आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। दमकल की 8 टीमें आग बुझाने और रेस्क्यू में लगी हुई हैं।

राजकोट के पुलिस कमिश्नर राजू भार्गव ने कहा- टीआरपी मॉल में आग लग गई है। हादसे में कुछ लोग हताहत हुए हैं। फिलहाल आग पर काबू पाने की कोशिश की जा रही है। फिलहाल राजकोट के सभी गेमजोन को बंद करने का आदेश दिया गया है। सभी गेमिंग जोन का ऑडिट किया जाएगा। अस्पताल व्यवस्था को लेकर चर्चा हो गई है। घायलों के इलाज के लिए डॉक्टर्स की टीम अलर्ट पर रखी गई है। जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। आग लगने की घटना के बाद राजकोट शहर भाजपा अध्यक्ष मुकेश दो मौके पर पहुंचे। उन्होंने कहा, मुझे कुछ मिनट पहले ही आग लगने की जानकारी मिली है। आने के बाद गंभीर लग रहा है कि कुछ जनहानि हुई है, ईश्वर से प्रार्थना है कि सभी सुरक्षित बाहर आ जाएं। बच्चों को कोई नुकसान न हो। फिलहाल अंदर कितने लोग फंसे हैं, इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। तत्काल प्राथमिकता आग को बुझाना और लोगों को सुरक्षित जगह पर लाना है। मैं आश्वासन देता हूं कि जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा।

किडनी रैकेट का हुआ भंडाफोड़

» किडनी देने वालों को 5-10 लाख रुपये तक दिए...

» मुख्य आरोपी के करीबियों से पूछताछ कर रही है पुलिस

चेन्नई,25 मई 2024 (ए)। केरल किडनी रैकेट मामले में तमिलनाडु पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में लिया है। ये सभी मुख्य आरोपी सबिथ नासर (30) के करीबी सहयोगी बताए जा रहे हैं। तमिलनाडु पुलिस के सूत्रों ने बताया कि पुलिस कुछ ऐसे लोगों पर नजर रख रही है जो आरोपी सबिथ से जुड़े थे। केरल पुलिस ने 19 मई को केरल के त्रिशूर के मूल निवासी सबिथ नासर को कोचीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया था। आरोपी ईरान से लौट रहा था। वह ईरान से बाहर एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय किडनी रैकेट के साथ जुड़ा था। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों से मिली गुप्त जानकारी के आधार पर यह गिरफ्तारी की गई थी। एजेंसी ईरान और अन्य पश्चिम एशियाई देशों की सबिथ की यात्राओं पर नजर रख रही थीं।

पूछताछ में आरोपी ने कई खुलासे किए। उसने बताया कि वह लगभग 20 लोगों को किडनी ट्रांसप्लांट के लिए ईरान ले गया था। आरोपी ने स्वीकार किया कि उसे प्रत्येक व्यक्ति पर 5 लाख रुपये का कमीशन मिलता था। उसने यह भी कहा

कि उसने किडनी देने वालों को 5 से 10 लाख रुपये तक दिए हैं। वहीं पुलिस उनके बयान पर ज्यादा ध्यान नहीं दे रही है। पुलिस का मानना है कि आरोपी और उसके साथी और भी लोगों को ईरान ले गए हैं। आरोपी सबिथ ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि किडनी देने वाले सभी लोग केरल, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और कुछ अन्य उत्तर भारतीय राज्यों से थे। तमिलनाडु पुलिस ने इसके लिए एक विशेष टीम गठित की और राज्य भर में जांच शुरू की। सभी जिला पुलिस अधीक्षकों को गुमशुदगी के मामलों और आपराधिक मामलों में गिरफ्तार किए गए लोगों के साथ बरी किए गए लोगों की जानकारी जुटाने का निर्देश दिया गया है। तमिलनाडु पुलिस के सूत्रों ने न्यूज़ एजेंसी को बताया कि कोयंबटूर और पोलाची में केरल सीमा के करीब तमिलनाडु के कुछ लोगों से सबिथ नासर के साथ उनके संबंधों के बारे में पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि क्या ये लोग रैकेट के लिए लोगों को लाने का काम करते थे। केरल पुलिस ने कुछ दिनों पहले एक अंतरराष्ट्रीय अंग तस्करी रैकेट का पर्दाफाश किया था। बताया जा रहा है कि यह गिरोह आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को अंगदान करने के लिए पैसों का लालच दिया करता था। पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है। साथ ही यह जानने का प्रयास भी किया जा रहा है कि इस रैकेट के तार कहां तक जुड़े हैं।

भीड़ ने पुलिस थाने को बनाया निशाना

» 5 से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल

» पुलिस हिरासत में मौत के बाद बवाल

दावणगेरे,25 मई 2024 (ए)। कर्नाटक के दावणगेरे जिले के चन्नागिरी में आदिल नाम के व्यक्ति की पुलिस थाने में हुई मौत के बाद हिंसक भीड़ ने पुलिस स्टेशन में तोड़फोड़ की, पथराव किया और कई वाहनों को आग लगा दी। घटना शनिवार की है। पुलिस ने कहा कि आदिल (30) को जिले में जुआ गतिविधियों में उसकी कथित संलिप्तता के लिए 24 मई को हिरासत में लिया गया था। शुक्रवार रात उसका स्वास्थ्य बिगड़ गया और थाने में ही उसकी मौत हो गईजैसे ही आदिल की मौत की खबर फैली, उसके रिश्तेदारों लोगों के एक बड़े समूह के साथ थाने पर पहुंच

गए और जमकर हंगामा किया।. भीड़ ने पुलिस वाहनों को नुकसान पहुंचाया और पथराव किया। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया। आदिल के रिश्तेदारों ने आरोप लगाया कि उसकी मौत पुलिस हिरासत में टॉर्चर के कारण हुई है। दावणगेरे के पुलिस अधीक्षक उमा प्रशांत ने कहा कि शव को सरकारी अस्पताल में भेजा गया है और पोस्टमॉर्टम के बाद इसे परिवार के सदस्यों को सौंप दिया जाएगा। एसपी के मुताबिक, पुलिस इलाके में गश्त कर रही है और चन्नागिरी में अतिरिक्त बल तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि शव का पोस्टमार्टम मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में किया जाएगा और रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने हिरासत में आरोपी आदिल को टॉर्चर करने की बात से इनकार किया है। उसके शरीर पर चोट का कोई निशान नहीं है। पुलिस का दावा है कि थाने लाए जाने के छह से सात मिनट के अंदर ही आरोपी की मौत हो गई। उसे अस्पताल ले जाया गया,जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद बताया कि उसकी मौत लो बीपी के कारण हुई।

रिटायर्ड आईएएस के घर दिन-दहाड़े लूट

» विरोध करने पर पत्नी मोहिनी को उतारा मौत के घाट

लखनऊ,25 मई 2024 (ए)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में शनिवार सुबह बदमाशों ने बड़ी वारदात को अंजाम दे दिया। यहां एक रिटायर्ड आईएएस अधिकारी के घर दिनदहाड़े बदमाशों ने लूटपाट की। वहीं विरोध करने पर अधिकारी की पत्नी की फंदा लगाकर हत्या कर दी। सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया. आनन-फानन में पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।

दरअसल, रायबरेली समेत कई जिलों में डीएम और इलाहाबाद में मंडलायुक्त रह चुके 71 वर्षीय रिटायर्ड आईएएस अधिकारी डीएन दुबे लखनऊ के इंदिरानगर थाना क्षेत्र के सेक्टर-22 में रहते हैं। शनिवार सुबह जब वह गोल्फ खेलकर वापस लौटे तो घर में सब सामान बिखरा हुआ था। वहीं उनकी पत्नी मोहिनी का शव फर्श पर पड़ा था। उनके गले में फंदा बंधा था. उन्होंने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी।मौके पर फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वाड को भी बुलाया गया है। साथ ही आसपास के इलाके में मौजूद सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पुलिस ने केस दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आसपास के लोगों के पूछताछ कर रही है।

4 साल से भोजन त्याग सिर्फ पानी से जिंदा है दादा गुरू

» 3 बार ब्लड डोनेट भी कर चुके...

» हकीकत जानने और जांच के लिए डॉक्टरों की टीम कर रही निगरानी

जबलपुर,25 मई 2024 (ए)। नर्मदा नदी को प्रदूषणमुक्त कराने के लिए जबलपुर के एक संत भैया जी सरकार यानी अब दादा गुरू के नाम से मशहूर बीते चार सालों से भोजन को त्याग कर सिर्फ नर्मदा जल पीकर जिंदा है। दादा गुरू सिर्फ नर्मदा का पानी पीकर 1308 दिनों से न केवल स्वस्थ्य है बल्कि शारीरिक और मानसिक रूप से फिट भी हैं। वो इस हालत में दो से तीन बार अपना ब्लड भी डोनेट कर चुके हैं। दावा किया जा रहा है कि दादा गुरू बिना अन्न खाए भी पूरी तरह से स्वस्थ है।

टीम जांच करेगी भोजन की जरूरत क्यों नहीं पड़ रही

उनके इस दावे की जांच के लिए जबलपुर कलेक्टर ने डॉक्टरों की एक टीम बनाई है। टीम को मेडिकल विश्वविद्लाय के पूर्व कुलपति डॉक्टर आरएस शर्मा लीड कर रहे है। डॉक्टरों की टीम अब ये जांच करेगी कि आखिर क्यों दादा गुरू को भोजन की जरूरत नहीं पड़ रही है और उनके खून में ऐसा क्या है जो कि उन्हें एनर्जी दे रहा है। डॉक्टरों की टीम उनके शरीर का प्रशिक्षण कर जल्द ही रिपोर्ट शासन को सौंपी है। लेकिन प्रारंभिक तौर पर जो जांच दादा गुरु की आ रही है उसमें उनकी हालत बिलकुल सामान्य व्यक्ति की तरह ही बताई जा रही है।

सुबह से लेकर रात तक पांच बार मेडिकल चेकअप

इस हालत में दादा गुरू का सुबह से लेकर रात तक चार से पांच बार मेडिकल चेकअप हो रहा है, यहीं नहीं वह अभी भी डेली 25 से 30 किलोमीटर की पैदल यात्रा कर रहे हैं। यात्रा के दौरान उनके पीछे फॉलो और पूरी मेडिकल की टीम भी चलती रहती है जिससे कि दादा गुरु की निगरानी और स्वास्थ्य का ध्यान रखा जाए। 7 दिन के मेडिकल परीक्षण के दौरान दादा गुरू के पदयात्रा की वीडियोग्राफी भी की जा रही है। जिसमें देखा जा रहा है कि वे किस तरह से बिना खाए पैदल यात्रा कर रहे हैं। उनको थकान भी नहीं आ रही है।

संपादकीय

महिलाओं को आरक्षण देने का हो रहा विरोध

चार जून के बाद मोदी आपकी शक्ति को महाशक्ति बना कर रहेगा। विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया की मानसिकता को महिला विरोधी करार देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बनारस में यह बात कही।प्रधानमंत्री नारी शक्ति संवाद कार्यक्रम में पच्चीस हजार महिलाओं से सीधा संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दस साल की सरकार के निर्णय से पहली बार आज माताएं और बहनें केंद्र में आई हैं।उन्हें योजनाएं बनाने में केंद्रीय भूमिका में रखा जा रहा है, और उनके उन्नयन के लिए योजनाएं बनाने पर बल दिया जा रहा है। यह भारत की सक्सेस स्टोरी का बहुत बड़ा फैक्टर है। उन्होंने अपनी पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकलाप का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस और सपा सरकारों ने महिलाओं की उपेक्षा की।उन्होंने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि जब घर आपके बिना नहीं चलता तो देश आपके बगैर कैसे चल जाता। विपक्षी दलों की मानसिकता को महिला विरोधी ठहराते हुए मोदी ने कहा कि वे महिलाओं को आरक्षण देने का विरोध करते हैं।सपा वाले बेशर्मी से कहते थे, लड़के हैं लड़कों से गलती हो जाती है लेकिन आज सपा के लड़के गलती करके दिखाएं। मगर वे जिस वक्त ये दावे कर रहे थे, उसी वक्त राजस्थान के करौली जिले की मूक-बधिर आदिवासी नाबालिग ने जयपुर में दम तोड़ दिया। दस साल की मासूम बच्ची बलात्कार करके जिन्दा जलाई गई थी।दस दिन तक जिन्दगी और मौत के बीच झूलते हुए उसने दम तोड़ दिया। मोदी बिहार के चंपारण और महाराजगंज की चुनावी रैलियों में अंबेडकर और आरक्षण की बात कर अपनी सरकार की पीठ थपथपाते रहे। मगर प्रशासन या सरकार की तरफ से इस बच्ची की कोई सुध नहीं ली गई।महिलाओं के शक्तिशाली होने की बातें बनाने से अब काम नहीं चलने वाला। उन्हें सुरक्षा चाहिए। यह सच है कि लड़कों की गलतियों को नजरंदाज करने वालों की पार्टी के राज में महिलाएं असुरक्षित थीं। मगर अब जब सुशासन की बात की जा रही है, मासूम मूक-बधिर बच्ची के साथ हुई हैवानियत भाजपा के राज में हुई।निःसंदेह कानून अपना काम करेगा। मगर कानून बनाने वालों को भी चेतना होगा। उन्हें आरक्षण देने या लेने वालों को यह सबक भी सिखाने होंगे कि संविधान की नजर में महिलाओं का स्थान बराबरी का है।वे असल महाशक्ति तभी बन सकती हैं, जब उनकी निजता, आजादी और अस्मिता पर आंच न आने दी जाए। कमोबेश अपने यहां चुनावी भाषणों में इसकी कोई चर्चा नहीं होती।

जल-संकट चुनाव जीतने का नहीं,समाधान का माध्यम बने

» वास्तव में लगातार बढ़ती गर्मी के कारण जल स्तर में तेजी से गिरावट आ रही है... इसके गंभीर परिणामों के चलते राजस्थान,मध्यप्रदेश, आंध्रप्रदेश,कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे राज्यों में पानी की कमी ने गंभीर रूप धारण कर लिया है...

देश के कई भागों में भीषण गर्मी पड़ रही है, जैसे-जैसे गर्मी प्रचंड होती जा रही है, जल संकट की खबरें भी डराने लगी है। राजस्थान, दिल्ली, कर्नाटक आदि प्रांतों में पानी के लिये त्राहि-त्राहि मची है। मध्यप्रदेश के छतरपुर ज़िले महर-खुवा गांव में जल-संकट की तस्वीरें भयावह एवं डराने वाली है। इस गांव में लगभग 100 आदिवासी परिवार रहते हैं,जिनके पास अब इतना भी पानी नहीं बचा है कि ये दिन में दो वक्त का खाना बना सकें और अपनी प्यास बुझा सकें। ऐसे हजारों गांव हैं, जहां पानी के अभाव में जीवन संकट में हैं। भारत अपने इतिहास के सबसे गंभीर जल संकट का सामना कर रहा है। लोकसभा चुनाव अन्तिम चरण की ओर अग्रसर है, आज हमारे उम्मीदवार मुफ्त बिजली और पानी देने का वादा करके चुनाव तो जीत जाते हैं लेकिन भारत में जिस तरह पानी का संकट गंभीर हो रहा है,उससे उनकी कथनी और करनी की असमानता ही बार-बार उजागर होती है। जल-संकट चरम पराकाष्ठा पर है, एक दिन ऐसा भी आ सकता है, जब पैसा देकर भी पानी खरीदना मुश्किल हो जाएगा। जल-संकट चुनाव जीतने एवं राजनीतिक बयानबाजी का हिस्सा तो है, लेकिन समाधान का नहीं। जल संकट ने राजनीतिक रंग तो ले लिया है, विभिन्न राजनीतिक दल एक-दूसरे को दोषी ठहरा रहे हैं और पिस रहा आम आदमी। पैसे वालों के लिए पानी इतनी बड़ी समस्या नहीं है लेकिन जिन लोगों के पास पैसों की किल्लत है, वे पानी की किल्लत से भी जूझ रहे हैं क्योंकि टैंकर का पानी महंगा पड़ रहा है।

वास्तव में लगातार बढ़ती गर्मी के कारण जल स्तर में तेजी से गिरावट आ रही है। इसके गंभीर परिणामों के चलते राजस्थान, मध्यप्रदेश, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे राज्यों में पानी की कमी ने गंभीर रूप धारण कर लिया है। देश का आईटी हब बेंगलुरु गंभीर जल संकट से दो-चार है। जिसका असर न केवल कृषि गतिविधियों पर पड़ रहा है बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी भी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। केंद्रीय जल आयोग के नवीनतम आंकड़े भारत में बढ़ते जल संकट की गंभीरता को ही दर्शाते हैं। आंकड़े देश भर के जलाशयों के स्तर में आई चिंताजनक गिरावट की तस्वीर उकेरते हैं। देश में प्रमुख जलाशयों में उपलब्ध पानी में उनकी

भंडारण क्षमता के अनुपात में तीस प्रतिशत की गिरावट आई है। जो हाल के वर्षों की तुलना में बड़ी गिरावट है। जो सूखे जैसी स्थिति की ओर इशारा करती है। महर-खुवा गांव की ही तरह अलवर जिले के कई गांव में लोग किसी एक मौसम में नहीं, बल्कि 12 महीनें भीषण जल संकट का सामना कर रहें है। इन गांवो में पानी का स्त्रोत है ही नहीं। इन इलाकों में पानी की इतनी कमी है कि लोग उसे अपने घरों में टैंकर में छिपाकर और ताला लगाकर सुरक्षित रखने लगे हैं।

भारत के गांवों में रहने वाले करीब 20 करोड़ परिवारों के घरों में नल नहीं है। इन परिवारों की औरतें पैदल चलकर, घंटों लाइन में लगकर पानी इकट्ठा करती हैं। इसी चुनौती से निपटने के लिए मोदी सरकार ने साल 2019 में हर घर में नल से पानी पहुंचाने के लिए जल जीवन मिशन की घोषणा की। सरकार का दावा है कि अब तक 10 करोड़ घरों में नल लग गए हैं। लेकिन अभी हजारों गांवों में जल-संकट एक बड़ी समस्या बनी हुई है। एक नागरिक के रूप में हम आत्ममंथन करें कि बढ़ते जल-संकट के समाधान की दिशा में हमने क्या कदम उठाये। क्या पानी की फिजूल खर्ची को कम करने का कोई संकल्प लिया? गर्मी के आने पर हम हाय-हाय तो करने लगते हैं, लेकिन कभी हमने विचार किया कि हम इस स्थिति को दूर करने के लिये क्या योगदान देते हैं? क्या हम पौधा-रोपण की ईमानदार कोशिश करते हैं? हम जल के दुरुपयोग को रोकने का प्रयास करते हैं? क्या वर्षा जल सहेजने का प्रयास करते हैं ताकि तापमान कम करने व भूगर्भीय जल के संरक्षण में मदद मिले?

सच कहें तो हमारे पूर्वजों ने प्रकृति के अनुरूप जैसी जीवन शैली विकसित की थी, वह हमें कुदरत के चरम से बचाती थी। राजस्थान में जल-संकट की संभावनाओं को देखते हुए आम नागरिक खुद के स्तर पर व्यापक प्रयत्न करता है। रेगिस्तान से जुड़े अनेक गांवों एवं शहरों में बने या बनने वाले मकानों में कुआ जरूर होता है, जहां बरसात के पानी को एकत्र किया जाता है,जो संकट के समय काम आता है। इसलिये गाँव के स्तर पर लोगों के द्वारा बरसात के पानी को इकट्ठा करने की शुरुआत करनी चाहिये। उचित रख-रखाव के साथ छोटे या बड़े तालाबों को बनाने के द्वारा बरसात के पानी को बचाया जा सकता है। हम महसूस करें कि बढ़ती जनसंख्या का संसाधनों में बढ़ता दबाव भी तापमान की वृद्धि एवं जल-संकट का कारण है। बड़ी विकास परियोजनाओं व खनन के लिये जिस तरह जंगलों को उजाड़ा गया, उसका खमियाजा हमें और आने वाली पीढ़ियों को भुगतना पड़ेगा। विलासिता के साधनों, वातानुकूलन के मोह, वाटर-पार्कों एवं होटलों में पानी के अपव्यय को रोकने के लिये जन-चेतना जागृत करने की अपेक्षा है। हमारे पुरखों ने मौसम अनुकूल खानपान, परंपरागत पेय-पदार्थों के सेवन तथा मौसम अनुकूल जीवन शैली के साथ-साथ जल-संरक्षण का ऐसा ज्ञान दिया, जो हमें मौसम के चरम में सुरक्षित रख सकता है। एक व्यक्ति के रूप में हम बहुत कुछ ऐसा कर सकते हैं जिससे जल-संकट से खुद व समाज को सुरक्षित कर सकते हैं। सरकार व समाज मिलकर जल-संकट का मुकाबला कर सकते हैं। भारत में जल-संकट की समस्या से निपटने के लिये प्राचीन समय से जो प्रयत्न किये गये है, वे दुनिया के लिये मार्गदर्शक हैं। देश के सात राज्यों के 8220 ग्राम पंचायतों में भूजल प्रबंधनों के लिए अटल भूजल योजना चल रही है।

स्थानीय समुदायों के नेतृत्व में चलने वाला यह दुनिया का सबसे बड़ा कार्यक्रम है। साथ ही, नल से जल, नदियों की सफाई, अतिक्रमण हटाने जैसे प्रयास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हो रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उचित ही रेखांकित किया कि सभी राज्यों को मिलकर काम करना होगा तथा जल संरक्षण एवं उपयोग किये गये पानी को फिर से इस्तेमाल में लाने के उपाय करने होंगे। हमारे यहां जल बचाने के मुख्य साधन है नदी, ताल एवं कूप। इन्हें अपनाओं, रक्षा करो, अभय दो, इन्हें मरुस्थल के हवाले न करो। अन्तिम समय यही तुम्हारे जीवन और जीवनी को बचायेंगे।

धरती के क्षेत्रफल का लगभग 70 प्रतिशत भाग जल से भरा हुआ है। परंतु, पीने योग्य जल मात्र तीन प्रतिशत है। इसमें से भी मात्र एक प्रतिशत मीठे जल का ही वास्तव में हम उपयोग कर पाते हैं। 2030 तक देश में पानी की मांग उपलब्ध जल वितरण की दोगुनी हो जाएगी। जिसका मतलब है कि करोड़ों लोगों के लिए पानी का गंभीर संकट पैदा हो जाएगा। स्वतंत्र संस्थाओं द्वारा जुटाए डाटा में दर्शाया गया है कि करीब 70 प्रतिशत प्रदूषित पानी के साथ भारत जल गुणवत्ता सूचकांक में 122 देशों में 120वें पायदान पर है। नीति आयोग ने कहा है, 'अभी 60 करोड़ भारतीय गंभीर से गंभीरतम जल संकट का सामना कर रहे हैं और दो लाख लोग स्वच्छ पानी तक पर्याप्त पहुंच न होने के चलते हर साल अपनी जान गंवा देते हैं।' इन जटिल एवं विकराल स्थितियों एवं डरावने तथ्यों के बावजूद हम पानी का इस्तेमाल करते हुए पानी की बचत के बारे में जरा भी नहीं सोचते, जिसके परिणामस्वरूप अधिकांश जगहों पर जल संकट की स्थिति पैदा हो चुकी है।

-ललित गर्ग-

जानलेवा ना बने निर्दोष जनता के लिए

मुंबई में गत 13 मई को एक भयंकर धूल भरी आंधी, तूफान और भारी बारिश आई,जिससे मुंबई महानगर का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। पेड़ उखड़ गए,बिजली गुल हो गई, चल रहा यातायात रुक गया, बचने को लोग जहां तहां छिप गए।इस तूफान से बचने को मुंबई के घाटकोपर के पूर्वी उपनगर में भी एक फ्यूल स्टेशन के शेल्टर के नीचे सौ से अधिक लोग खड़े थे। इस बीच फ्यूल सेंटर के साइड में खड़ा 120 गुणा 120 फीट लंबा चैड़ा विशालकाय टनों वजनी लोहे का विज्ञापन होर्डिंग फयूल स्टेशन पर गिर गया। हादसे में दबकर अबतक करीब 16 लोगों की मौत हो चुकी हैं और करीब 70 घायलों का इलाज चल रहा है।देश की व्यावसायिक राजधानी मुंबई में हुआ यह हादसा बेहद गंभीर है। हादसे के बाद अभी भी राहत और बचाव के कार्य चल रहे हैं, महाराष्ट्र सरकार ने हताहतों को मुआवजे की धनराशि देने की घोषणा और घायलों के इलाज के इंतजाम किए है, जबकि मुंबई में लगे सभी होर्डिंगस के सुरक्षा ऑडिट के निर्देश दिए हैं। होर्डिंग एजेंसी पर भी मामला दर्ज आरोपी की तलाश है, लेकिन साफ तौर पर यह हादसा व्यवस्था में आमूलचूल लापरवाही का नतीजा है।रेलवे पुलिस की जमीन पर खड़ा ये होर्डिंग गिरा और जिम्मेदारी की बात उठी तो बीएमसी ने रेलवे पर और रेलवे ने बीएमसी को जिम्मेदार ठहराया है। जिम्मेदारी के आरोप प्रत्यारोप में राजनीति भी गरमा रही है, जबकि इस दुर्घटना में महाराष्ट्र की आई गई सरकार से लेकर हर उस एजेंसी की जिम्मेदारी है जो बड़े इंफ्रास्टक्चर के निर्माण से लेकर उस पर निगरानी तक रखती हैं। सवाल उठता है आखिर व्यावसायिक नगरी मुंबई में मानक से कहीं अधिक बड़ा होर्डिंग कैसे खड़ा हो गया? जबकि मुंबई में 40 गुणा 40 फीट से अधिक बड़ा होर्डिंग लगाने की मंजूरी नहीं है। क्या इस होर्डिंग को लगाने वाली विज्ञापन एजेंसी ईगो मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के पास बीएमसी से इस विशालकाय होर्डिंग को लगाने की अनुमति थी? क्यों रेलवे ने बिना बीएमसी की मंजूरी के इतना बड़ा होर्डिंस लगने दिया?नियमों का उलंघन कर इतने बड़े होर्डिंग की लोगों ने शिकायत की तो क्यों बीएमसी और रेलवे ने इसे हटाने को कदम नहीं उठाएं? क्या शिकायत पर बीएमसी का रेलवे और विज्ञापन एजेंसी को दो साल बाद नोटिस देना ही काफी था? सवाल यह भी है कि विशालकाय होर्डिंग को लगाने के दौरान निर्माण सामग्री की जांच और सभी सुरक्षा पहलुओं पर क्यों नहीं निगरानी की गई? क्योंकि जब होर्डिंग गिरा तो देखा गया कि होर्डिंग मानक से बहुत कम गहरी नींव पर खड़ा था। आखिर क्यों नहीं जिम्मेदार संस्थाओं ने इस होर्डिंग को लगाने के दौरान निर्माण मानकों और सुरक्षा की जांच परख की? क्या होर्डिंग लगाने वाली एजेंसी व्यवस्था से अधिक ताकतवर है जिसके कारण जिम्मेदार अधिकारी उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर सके। मुंबई शहर समुद्र के किनारे बसा है, कभी भी बारिश होना और तेज हवाओं का चलना यहां आम बात है। जब मुंबई में बड़े इंफ्रास्टक्चर खड़े किए जाते हैं तो बीएमसी सुरक्षा मानकों को पूरी तरह परखकर ही अनुमति देती है।फिर सुरक्षा मानकों और नियम कायदों में कोताही बरतकर बेहद असुरक्षित विशालकाय होर्डिंग का खड़ा हो जाना बीएमसी और रेलवे की लापरवाही नही तो और क्या है? पेट्रोल और गैस फ्यूल स्टेशन एक बेहद संवेदनशील यूनिट होती हैं, इसके समीप विशाल होर्डिंग लगाने में सुरक्षा मापदंडों में पूरी कोताही रही है। वैसे जलवायु परिवर्तन से देश ही नहीं वल्कि पूरा विश्व प्रभावित है। प्राकृतिक आपदाओं के हर दिन हादसे देखे जा सकते हैं। ग्लोबल वार्मिंग के कारण अरब सागर में चक्रवातों की तीव्रता में वृद्धि हुई है। भारत में समुद्री चक्रवातों की बात करें तो हर साल बंगाल और अरेबियन सी के समुद्र तटों पर कोई न कोई तेज रफ्तार चक्रवाती तूफान तबाही का मंजर लेकर आता है। मुंबई अरेबियन सी के तट पर बसी है। अतीत में झांकें तो पता चलता है कि अरेबियन सी में कई भयंकर तूफान ने कहर बरपाया है। तेज हवाओं और आंधी तूफान से गुजरात के तटों और तटीय गांवों पर बुनियादी ढांचे तहस नहस हुए।इन चक्रवातों के दृष्टिगत समुद्र किनारे के शहरों में अधिक एहतिया बरतने की आवश्यकता है। विज्ञापन होर्डिंग नगर निकायों की अतिरिक्त आय के साधन हैं। जबकि विशालकाय विज्ञापन होर्डिंग उपभोक्ताओं को दूर से आकर्षित करते हैं। जहां तक देश के राज्यों में विज्ञापन होर्डिंस लगाने की बात है अलग-अलग राज्यों और शहरों में इनको लगाने के दिशा-निर्देश अलग हो सकते हैं। इन पर प्रतिबंध लगाना तो ठीक नहीं क्योंकि ये नगर निकायों की आय के साधन हैं, लेकिन नगर निकायों को इनके मानकों और आमजन की सुरक्षा को देखना भी बहुत जरूरी है। विज्ञापन एजेंसी मनमर्जी से किसी भी आकार, भार और मानकों के होर्डिंस लगाए यह मंजूर नहीं है। ऐसी एजेंसियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। नगर निकायों को होर्डिंस लगाने के नियम और मानको को स्पष्टता के साथ एक अंतराल पर इनका सुरक्षा ऑडिट करना भी जरूरी है। ताकि संबंधित संस्थाओं की लापरवाही मुंबई के इस होर्डिंग की तरह निर्दोष जनता के लिए जानलेवा ना बने।

-अनिरुद्ध गौड़-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

अमीर कुत्ता

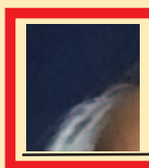

ओतेरी सेल्वा कुमार
-चेन्नई
तमिलनाडु-

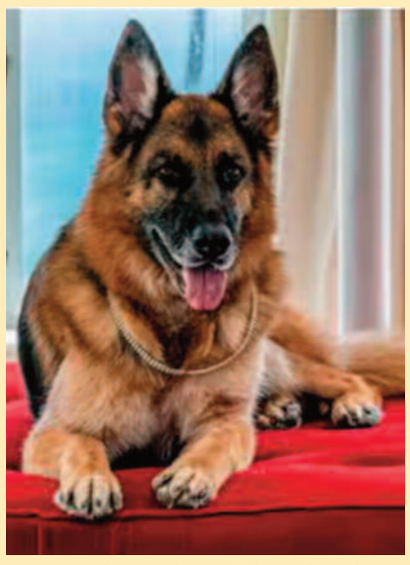

रुफ़स नाम के एक गोल्डन रिट्रीवर से मिलें, जिसे अपने अमीर मालिक से बहुत बड़ी संपत्ति विरासत में मिली। रूफस एक विशाल हवेली, डिजाइनर कुत्ते के कपड़े और स्वादिष्ट कुत्ते के भोजन के साथ विलासिता का जीवन जीता था। लेकिन अपनी अमीरी के बावजूद, रूफस अकेला और अधूरा था।

एक दिन, रूफस के बटलर जेनकिंस ने उसे स्थानीय पशु आश्रय स्थल का दौरा करने के लिए मना लिया। वहां, रूफस की मुलाकात रॉकी नाम के एक छोटे टेरियर से हुई, जो सड़कों पर रहता था। रूफस रॉकी की कहानी से प्रभावित हुआ और उसने बदलाव लाने के लिए अपनी संपत्ति का उपयोग करने का फैसला किया। उन्होंने पशु कल्याण का समर्थन करने, आश्रयों का निर्माण करने, बचाव अभियानों को वित्तपोषित करने और आवारा जानवरों के लिए चिकित्सा देखभाल प्रदान करने के लिए एक फाउंडेशन शुरू किया। रूफस और रॉकी अविभाज्य मित्र बन गए, रॉकी ने फाउंडेशन के शुभंकर के रूप में काम किया।

जैसे-जैसे रुफ़स की परोपकारिता बढ़ती गई, वैसे-वैसे उसकी खुशी भी बढ़ती गई। उन्होंने महसूस किया कि सच्ची दौलत भौतिक संपत्ति के बारे में नहीं बल्कि दुनिया पर सकारात्मक प्रभाव डालने के बारे में है। रूफस की कहानी ने अनगिनत अन्य लोगों को उसके पंजे के निशान का अनुसरण करने के लिए प्रेरित किया, जिससे यह साबित हुआ कि सबसे अमीर कुत्ते भी वास्तविक अंतर ला सकते हैं।

कहानी का नैतिक पहलू है? धन और विशेषाधिकार महज शुरुआती बिंदु हैं; हम उनके साथ जो करते हैं वह वास्तव में मायने रखता है। रूफस की कहानी हमें याद दिलाती है कि दया, करुणा और उदारता सबसे बड़ा धन ला सकती है - खुशी, उद्देश्य और पूर्णता की भावना।

अग्निपथ योजना पर सियासत नहीं

आज देश में तथाकथित अग्निवीर योजना पर बयान सुनने को मिलता है जो देशहित में नहीं है ऐ आर्मी के ऊपर

संजय गोस्वामी
मुंबई,
महाराष्ट्र

छोड़ दीजिये क्योंकि अगर कहीं युद्ध हुआ तो आप तो बचाने वाले नहीं है उसे सेना ही बचाएगा, आज हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं जहाँ युद्ध की प्रकृति व्यापक रूप से बदल गई है। भारत को न केवल स्थल, जल और वायु से बल्कि साइबरटेक, इंटरनेट ऑफ मिलिटरी थिंग्स और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से भी खतरों का सामना करना पड़ रहा है। इस परिदृश्य में एक बेहतर सुसज्जित और अधिक तैयार सेना की आवश्यकता है। देश के लिये एक तरुण और सुसज्जित सशस्त्र बल की आवश्यकता की पूर्ति के लिये सरकार अग्निपथ योजना लेकर आई है। शीघ्र ही भारतीय सशस्त्र बल 'अग्निवीर' की भर्ती संबंधी सभी महत्त्वपूर्ण कार्य शुरू करेंगे, जिन्हें हमारी युद्ध इकाइयों की रीढ़ के रूप में परिकल्पित किया गया है। इस संदर्भ में अग्निपथ योजना के सारतत्व को समझना प्रासंगिक होगा। केंद्र सरकार ने तीनों सैन्य सेवाओं (थल सेना, नौसेना और वायु सेना) में नए सैनिकों की भर्ती के लिये अग्निपथ योजना का अनावरण किया है। यह योजना देशभक्त और अभिप्रेरित युवाओं को चार वर्ष की अवधि के लिये सशस्त्र बलों में सेवा करने का अवसर देगी। सेना में शामिल होने वाले इन युवाओं को 'अग्निवीर' कहा जाएगा। चार वर्ष की सेवा के बाद किसी बैच के केवल 25त्न सैनिकों की ही संबंधित सेवाओं में 15 वर्ष की अवधि के लिये पुनर्नियुक्ति की जाएगी। च्यह योजना केवल अधिकारी रैंक से नीचे के सैन्यकर्मियों के लिये है जो सेना में कमीशन अधिकारी के रूप में

शामिल नहीं होते हैं। कमीशन अधिकारी भारतीय सशस्त्र बलों के अंदर एक विशेष रैंक रखते हैं। वे प्रायः राष्ट्रपति की संप्रभु शक्ति के तहत कमीशन धारण करते हैं और उन्हें आधिकारिक तौर पर देश की रक्षा करने का निर्देश प्राप्त होता है। चयन हेतु 17.5 वर्ष से 23 वर्ष की आयु के युवा आवेदन करने के पात्र है । अग्निवीरों को प्रदत्त लाभः 4 वर्ष की सेवा अवधि की पूर्णता पर उन्हें एकमुश्त 11.71 लाख रुपए (उपार्जित ब्याज सहित) की 'सेवा निधि' का भुगतान किया जाएगा। उन्हें चार वर्ष की अवधि के लिये 48 लाख रुपए का जीवन बीमा कवर भी प्राप्त होगा। उनके शहीद होने की स्थिति में परिवार को 1 करोड़ रुपए (शेष कार्यकाल के वेतन सहित) का भुगतान किया जाएगा। चार वर्ष बाद सेवानिवृत्ति पर सरकार उनके पुनर्वास में मदद करेगी। उन्हें 'स्किल सर्टिफिकेट' और 'ब्रिज कोर्स' प्रदान किया जाएगा। ऐसी योजना की आवश्यकता क्यों थी? औसत आयु कम करना- अग्निपथ योजना के कार्यान्वयन का एक उद्देश्य यह है कि सैन्यकर्मियों की औसत आयु में कमी लाई जाए। इसकी आवश्यकता वर्ष 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद महसूस की गई थी। इसके कई दशकों बाद 'कारगिल समीक्षा समिति' ने भी इस आवश्यकता पर बल दिया था। वर्तमान में भारतीय सेना में महज 19त्न कर्मी 25 वर्ष से कम आयु के हैं (इस आयु वर्ग के लिये एक छोटी संख्या) जबकि 36-40 आयु वर्ग में भी 19त्न कर्मी शामिल हैं (इस आयु वर्ग के लिये एक बड़ी संख्या)। चूँकि चीन और पाकिस्तान दोनों के पास ही पर्वतीय इलाके हैं, कम आयु प्रोफ़ाइल की भारतीय इकाइयाँ इन भूभागों में बेहतर सैन्य प्रदर्शन करेंगी। भविष्य के लिये तैयार सैनिकः युद्ध की प्रकृति बदल रही है और तेज़ी से बहुआयामी बनती जा रही है। युद्ध के विभिन्न पहलुओं–चाहे वह साइबर युद्ध हो, अंतरिक्ष युद्ध या सूचना युद्ध, में भी तेज़ी से परिवर्तन आ रहा है। भर्ती और प्रणालियों के संदर्भ में नए तकनीकी समावेश हो रहे हैं। इस परिदृश्य में सैन्य बलों के लिये आवश्यक है कि वे नवीन प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाएँ और भविष्य के लिये तैयार युद्ध बल का निर्माण करें। अनुसंधान और विकास पर ध्यान देना- हर साल रक्षा बजट का आधे से भी अधिक भाग पेंशन के लिये आवंटित किया जाता है जबकि 5त्न से कम भाग अनुसंधान और विकास के लिये आवंटित किया जाता है। अग्निपथ योजना इस समस्या से भी निपटने की मंशा रखती है जहाँ सैन्य कर्मियों की अल्पकालिक अनुबंधों के साथ भर्ती की जाएगी जो थल सेना, नौसेना और वायु सेना में पेंशन भुगतान के बढ़ते स्तर को कम करने में मदद कर सकेगी। इससे रक्षा क्षेत्र के अनुसंधान एवं विकास में अधिक निवेश कर सकने की सक्षमता प्राप्त होगी।इसपर राजनीति करना व्यर्थ है क्योंकि ऐ सेना में मैनपावर को बढ़ाता है और आप ऐ जाने कि एनडीए और सीडीएस व अन्य पदों पर सेना में स्थाई नौकरी बन्द नहीं हुई है जब सेना की ताकत 1से 2लाख अतिरिक्त भी है तो देश के लिए अच्छा है आपको एनडीए या सीडीएस के लिए रोका तो नहीं गया है या सेना पर देश का बजट कम नहीं बल्कि पिछले साल के मुकाबले बढ़ा ही है अब इजराइल को ही लें लें वहाँ हर युवाओं को सेना में अनिवार्य रूप से 2साल की सेवा देनी होती है इसलिए इजराइल सैन्य ताकत में अन्य देशों की तुलना में बहुत अधिक मजबूत है देश की रक्षा हेतु अगर निस्वार्थ भाव से सेवा करने का अवसर मिलता है तो बिलकुल नहीं चूकना चाहिए अतः देश की सेवा हेतु इसपर राजनीति करना व्यर्थ है भारत माता की सेवा समझकर ही कार्य करें देश जब गुलाम था तो सब अपनी ताकत से निस्वार्थ देश को बचाने के लिए लोहा लिया और शहीद हो गए किसे क्या मिला नहीं मिला लेकिन देश में अमर शहीदों को आज भी लोग नमन करते है।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

हर एक मुस्कुराहट कुछ कहती है

श्याम सुंदर साहू
राजिम गरियाबंद
छत्तीसगढ़

एक मुस्कुराहट पिता के मुख का
जब बच्चों की तरक्की को देख
मन आत्म संतोष से भर जाती है
हर एक मुस्कुराहट कुछ कहती है।
एक मुस्कुराहट मां की मुख का
जब बेटी मां के बताए शिक्षा और
संस्कार से दोनों कुल संवारती है
हर एक मुस्कराहट कुछ कहती है।
एक मुस्कुराहट पति के मुख का
जब पत्नि विषम परिस्थितियों में
हमेशा साथ देने का वादा करती है
हर एक मुस्कराहट कुछ कहती है।
एक मुस्कुराहट शिक्षक के मुख का
जब बच्चों की सफलता को देख
हृदय गौरवान्वित हुआ करती है
हर एक मुस्कराहट कुछ कहती है।
एक मुस्कुराहट भारत माता के मुख
का विकसित राष्ट्र का स्वप्न सच होता
देख गर्व से सीना चौड़ा हो जाती है
हर एक मुस्कराहट कुछ कहती है।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

छत्तीसगढ़ शासन स्वास्थ्य विभाग के आलाधिकारियों ने मेडिकल कॉलेज अस्पताल का किया निरीक्षण

स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव बोले-चिकित्सकों से जबरदस्ती नहीं करा सकते काम,उनके बीच कॉन्फिडेंस लाने की जरूरत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,25 मई 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ शासन के गृह,जेल व स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज पिंगुआ, स्वास्थ्य कमिश्नर चंदन कुमार,पद्मिनी भोई प्रबंध संचालक छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन व जगदीश सोनकर प्रबंध संचालक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने मेडिकल कॉलेज अस्पताल का निरीक्षण किया। निरीक्षण कर स्वास्थ्य विभाग द्वारा आम नागरिकों को मिल रही सुविधाओं दवाओं और स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया,इस दौरान अधिकारियों ने मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मौजूद उपकरणों की जानकारी ली। शनिवार को छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज पिंगुआ अन्य अफसरों के साथ शनिवार को सरगुजा पहुंचे और मेडिकल कॉलेज अस्पताल के व्यवस्थाओं की जानकारी ली। टीम ने ओपीडी में मरीजों की लंबी लाइन को देखकर इसे व्यवस्थित करने, आयुष्मान कार्ड के लिए और काउंटिर बढ़ाने,दवाइओं की रख-रखाव बेहतर करने की बात कही। निरीक्षण के दौरान मेडिकल कॉलेज अस्पताल में खुले में दवाओं का काटून रखा हुआ था। वहीं मरीजों के लिए हर वार्ड में एसी व कुलर की व्यवस्था करने की बात कही है। स्वास्थ्य कमिश्नर चंदन कुमार कहा कि हमलोग अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज व जिला अस्पताल में स्वास्थ्य व्यवस्था की क्या स्थिति है इसका आकलन करने अए हैं। कुछ व्यवस्था ठीक है। जो कमी है उसे संज्ञान में हमलोग ले रहे हैं। कमियां कोई गंभीर नहीं है। ओपीडी की भीड़ ज्यादा है उसे बेहतर करने की आवश्यकता है। मरीजों से भी हमलोगों ने बात की कोई विशेष कमियां नहीं बताया। ओपीडी व आईपीडी यहां ज्यादा है। उसके अनुसार व्यवस्था में कोई विशेष कमियां नहीं है। निरीक्षण के दौरान सरगुजा कलेक्टर विलास भोसकर, मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. रमणेश मूति, अस्पताल अधीक्षक डॉ. आरसी आर्या सहित अन्य चिकित्सक व अस्पताल के कर्मचारी उपस्थित थे।

अंबिकापुर में भी चिकित्सकों को मिलेगा सम्मान

स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज पिंगुआ ने मीडिया से बात की। उन्होंने डॉक्टरों की कमी दूर करने की बात को लेकर कहा कि बाहर से आने वाले चिकित्सकों के मन में आत्मविश्वास लाना होगा कि अंबिकापुर अच्छी जगह है। रायपुर व दिल्ली से आने वाले डॉक्टरों के मन में भय रहता है कि अंबिकापुर काफी दूरस्थ है। आचार संहिता के बाद चिकित्सकों के मन में कंफिडेंस लाने की आवश्यकता है। अंबिकापुर में भी चिकित्सकों को बहुत सम्मान मिलेगा। स्वास्थ्य मंत्री के क्षेत्र में गायनोलॉस्टि की कमी की बात को लेकर अपर मुख्य सचिव ने कहा कि डॉक्टर ऐसे होते हैं कि इनसे जोर जबरस्ती से काम नहीं लिया जा सकता है। पूरे इको सिस्टम में सुधार की जरूरत है। शासन की ओर से जितनी सुविधाएं दी जाती है उसके अलावा कंफिडेंस आना जरूरी है। बैंड के बावजूद भी कई चिकित्सक नहीं आना चाहते हैं।

मरीजों से की भी बात,ली व्यवस्थाओं की जानकारी

निरीक्षण के दौरान विशेष सचिव चंदन कुमार,प्रबंध संचालक छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन के पद्मिनी भोई व प्रबंध संचालक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के जगदीश सोनकर ने मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती मरीजों से भी बात की। आपातकालीन कक्ष में गंभीर मरीज को देखकर प्रबंधन पर नाराजगी जताया और मरीज को तत्काल आसीयू में भर्ती कराने की बात कही। वहीं मधुमक्खियों के हमले में भर्ती पिता-पुत्र व पुत्री की स्वास्थ्य की जानकारी ली।

मेडिकल कॉलेज का किया गया निरीक्षण

इस दौरान मेडिकल कॉलेज का भी निरीक्षण किया गया तथा विभिन्न विभागों अवलोकन करते हुए प्राध्यापकों और छात्रों से शैक्षणिक गतिविधियों पर चर्चा की गई। श्री पिंगुआ द्वारा स्किल लैब का भी अवलोकन किया गया, इस दौरान बताया गया कि स्किल लैब में नए चिकित्सा छात्रों की चिकित्सकीय कौशल क्षमता बढ़ाया जाता है। उन्होंने शैक्षणिक सुविधाओं का जायजा लेकर, छात्रों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया। टीम द्वारा गंगापुर में निर्माणाधीन राजमाता देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय भवन का भी अवलोकन किया गया।

दवाईयों की उपलब्धता की ली गई जानकारी

टीम द्वारा ड्रग वेयरहाउस का निरीक्षण कर दवाईयों की उपलब्धता की जानकारी ली गई। उन्होंने दवाओं के मांग,उनके सापेक्ष आपूर्ति की गयी दवाओं के विवरण का भी गहनतापूर्वक परीक्षण किया तथा सॉफ्टवेयर में एंट्री की जांच की। उन्होंने कहा कि दवाओं के भण्डारण में मानकों का विशेष ध्यान रखा जाये तथा कोल्ड चेन की निरन्तर निगरानी की जाये। उन्होंने कहा कि ड्रग वेयर हाउस में अभिलेखों का रखरखाव व्यवस्थित हो।

जेल का भी किया निरीक्षण,साफ-सफाई पर ध्यान देने की कही बात

- संवाददाता -
अंबिकापुर,25 मई 2024 (घटती-घटना)।

गृह, जेल व स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज पिंगुआ केन्द्रीय जेल का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर विलास भोस्कर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह भी थे। इस दौरान उन्होंने जेल में बंदियों के स्वास्थ्य, सुरक्षा सहित दी जाने वाली अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने यहां पुरुष बैरक,महिला बैरक,मुलाकात कक्ष,किचन, कला उद्योग शाखा, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग रूम आदि का अवलोकन किया। स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लेने पिंगुआ ने चिकित्सालय का निरीक्षण किया। उन्होंने स्वास्थ्य परीक्षण की जानकारी ली तथा पंजियों की जांच की। इसके साथ ही उन्होंने डॉक्टरों की उपलब्धता,ब्रीमार बंदियों के उपचार संबंधी सुविधाओं और दवाओं की उपलब्धता भी देखी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जेल में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने कहा। परिसर भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का भी अवलोकन किया गया। इस दौरान उन्होंने ने कैदियों से बात की,महिला कैदियों से मुलाकात के दौरान छोटे बच्चों का भी हालचाल पूछा। जेल में कला उद्योग शाखा में संचालित गतिविधियों का अवलोकन करते हुए उन्होंने वस्तुओं के सम्बन्ध में जानकारी लेते हुए निर्माण प्रक्रिया,प्रशिक्षण एवं विक्रय के बारे में जानकारी ली और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

बस्तर के झीरम नक्सल हमले दिवंगत नेताओं को दी गई श्रद्धांजलि

- संवाददाता -
अंबिकापुर,25 मई 2024 (घटती-घटना)।

बस्तर के झीरम नक्सल हमले को आज 11 बरस पूरे हो गए। शनिवार को इस हमले में मारे गए कांग्रेस के दिवंगत नेताओं श्रद्धांजलि अर्पित करते उन्हें याद किया गया। कांग्रेस नेताओं ने पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नंद कुमार पटेल,पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ला,पूर्व नेता प्रतिपक्ष महेंद्र कर्मा,पूर्व विधायक उदय मुदलियार, दिनेश पटेल,अलानूर भिंडसरा,योगेंद्र शर्मा समेत 27 शहीदों की शहादत को नमन करते पुष्पांजलि अर्पित की। जिला कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में शहीदों के छायाचित्र पर पर श्रद्धासुमन के फूल अर्पित किए गए। महापौर डॉ अजय तिर्की,जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश गुप्ता,प्रदेश उपाध्यक्ष जेपी श्रीवास्तव एवं महामंत्री द्वितेंद्र मिश्रा ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा इस नक्सल हमले में कांग्रेस की मजबूत सांगठनिक नेताओं की जान चली गई थी। तत्कालीन भाजपा सरकार ने सुरक्षा में चूक की। कांग्रेस नेतृत्व की एक पूरी पीढ़ी का सफाया हो गया। अभी तक षड्यंत्र का खुलासा नही होना दुर्भाग्यपूर्ण है। इस अवसर पर दुर्गेश गुप्ता,अशफाक अली,आशीष वर्मा,प्रमोद चौधरी, संजय सिंह,रजनीश सिंह,नरेंद्र विश्वकर्मा, चन्द्रप्रकाश सिंह,शानू मुखर्जी, अभिषेक शुक्ला,इमरान सिद्दकी, विकास गुप्ता,अविनाश कुमार, मिथुन सिंह,जमील खान, धर्मेंद्र सिंह प्रीति सिंह,सोनम सिंह सहित कांग्रेस पदाधिकारी उपस्थित थे।

शादी का झांसा देकर युवती से बलात्कार करने वाला आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,25 मई 2024 (घटती-घटना)।

शादी का झांसा देकर बलात्कार करने के मामले में गांधीनगर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार पीड़िता ने 24 मई को गांधीनगर थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। वह पुलिस को बताई थी कि थाना क्षेत्र के बिशुनपुर निवासी आशिश आनंद बड़ा ने शादी का झांसा देकर पीड़िता से बलात्कार करता था। इसके बाद वह शादी करने से इंकार कर दिया। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी आशीष आनंद बड़ा (34) निवासी गढ़हापारा मोनिकानगर बिशुनपुर थाना गांधीनगर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक अश्वनी सिंह, उप निरीक्षक रश्मि सिंह, महिला आरक्षक तेजश्वरी राजवाड़े, आरक्षक सतीश चौहान, ऋषभ सिंह, संजीव पाण्डेय शामिल रहे।

सरगुजा पुलिस की पहल पर तमिलनाडु में फंसे तीन श्रमक छुड़ाए गए

- संवाददाता -
अंबिकापुर,25 मई 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस ने तमिलनाडु के कांचीपुरम स्थित एक कंपनी में फंसे तीन मजदूरों को मुक्त कराकर वापस उनके घर लाया है। श्रमिकों के सकुलश घर वापसी पर उनके परिजन में खुशी की लहर है।

जानकारी के अनुसार 20 मई को लखनपुर थाना क्षेत्र के लक्ष्मण टोप्पो व जग्गू टोप्पो ने एसपी को बताया कि हमारे गांव के तीन श्रमिक राम टोप्पो, सुखन कोरवा व प्रीतिश खाखा तमिलनाडु के कांचीपुरम स्थित एक कंपनी में फंसे हुए हैं। उन्हें कंपनी द्वारा बंधक बनाकर रखा गया है। श्रमिकों को वापस घर नहीं आने दिया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने मामले को संज्ञान में लेकर तत्काल एसपी कांचीपुरम तमिलनाडु को मामले की जानकारी दी। स्थानीय पुलिस से आपसी समन्वय स्थापित कर तीनों श्रमिकों कों सही सलामत रेस्क्यू कर वापस लाया गया है।

केबीसी में 8.50 लाख रुपए प्राइज मनी जीतने का झांसा देकर 3.20 लाख देकर ठगी करने वाला नाबालिग सहित युवक गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,25 मई 2024 (घटती-घटना)।

केबीसी में 8.50 लाख रुपए प्राइज मनी जीतने का झांसा देकर सीतापुर थाना क्षेत्र के एक युवक से प्रोसेसिंग फीस के नाम पर 3.20 लाख रुपए ठगी कर लिए गए थे। मामले में सीतापुर पुलिस ने एक नाबालिग सहित दो आरोपी को शेखपुरा बिहार से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने नाबालिग को बाल संप्रेक्षण गृह भेज दिया है। वहीं आरोपी युवक के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया गया है।

पुलिस के अनुसार झंडेश्वर कुशवाहा सीतापुर थाना क्षेत्र के सोनतराई का रहने वाला है। इसके मोबाइल पर 14 फरवारी को अज्ञात व्यक्ति का फोन आया था और केबीसी में 8.50 लाख रुपए ईनाम जीतने का झांसा दिया गया था। ईनाम की रकम पाने के लिए प्रोसेसिंग फीस की मांग की गई थी। झंडेश्वर झांसे में आकर 14 फरवारी से 26 फरवारी के बीच अलग-अलग ट्रांजेक्यान के माध्यम से कुल 3.20 लाख रुपए ठगी कर लिए गए थे। पीड़ित ने मामले की रिपोर्ट 16 मई को सीतापुर थाना में दर्ज कराई थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने तकनिकी जानकारी प्राप्त कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए बिहार के शेखपुरा जिला रवाना हुई थी। पुलिस ने मामले में नाबालिग बालिक सहित आरोपी राजीव कुमार उम्र 21 वर्ष निवासी कबीरपुर थाना शेखपुरा को गिरफ्तार किय है। पुलिस ने आरोपी के कब्ज से घटना में प्रयुक्त 5 नग मोबाइल, 2 नग एटीएम कार्ड, 2 नग पेन कार्ड, 1 नग रजिस्टर, एवं 10 हजार रुपए नकद जब्त किया है। पुलिस ने कार्रवाई कर नाबालिक को बाल संप्रेक्षण गृह भेज दिया है। वहीं आरोपी राजीव कुमार को न्यायालय में पेश कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी सीतापुर निरीक्षक भरत लाल साहू,उप निरीक्षक रमेश चंद्र राय,आरक्षक रुपेश महंत,अशोक कुजूर, सुयश पैकरा शामिल रहे।

C M Y K

सांसद की हत्या के संदिग्ध को सजा देना चुनौती

भारत-अमेरिका की सरकार के संपर्क में है गृह मंत्रालय

कोलकाता,25 मई 2024। बांग्लादेश के गृह मंत्री असदुज्जमां खान ने दावा किया है कि बांग्लादेशी मूल का अमेरिकी बिजनेसमैन अख्तरुज्जमां शाहीन ही आवामी लीग के सांसद अनवारुल अजीम अनार की हत्या का मुख्य संदिग्ध है और उसे सजा दिलाने के लिए उनकी सरकार भारत,नेपाल और अमेरिका की सरकार के संपर्क में है। ढाका से टेलीफोन पर हुई बातचीत के दौरान असदुज्जमां खान ने कहा कि बेशक हम शाहीन की तलाश कर रहे हैं। वह हत्या के मामले में मुख्य संदिग्ध और वांछित है। हमने भारत, नेपाल और अमेरिका की जांच एजेंसियों से मदद मांगी है, ताकि उसके खिलाफ मुकदमा चलाया जा सके।

सांसद की हत्या में तीन संदिग्ध हुए गिरफ्तार

बांग्लादेश के गृह मंत्री ने कहा

कि हम शाहीन को वापस लाने के लिए इंटरपोल के संपर्क में भी हैं। हमने इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है,जिनमें एक महिला भी शामिल है। पकड़े गए संदिग्धों में से दो का आपराधिक रिकॉर्ड है और महिला के बारे में पता लगाया जा रहा है। हत्या के पीछे की वजह के बारे में पूछे जाने पर गृह मंत्री ने कहा हम जल्द ही इसके बारे में खुलासा करेंगे। माना जा रहा है कि मुख्य संदिग्ध अख्तरुज्जमां शाहीन अमेरिका में है और उससे संपर्क नहीं हो पा रहा है। शाहीन के भाई और कोटचांदपुर के मेयर मोहम्मद शहीदुज्जमां ने भी कहा है कि अगर उसका भाई दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

मुख्य संदिग्ध के भाई ने कही ये बात

शहीदुज्जमां ने कहा कि हम दोनों साथ बड़े हुए हैं और यह यकीन करना भी मुश्किल है कि वह इस घृणित अपराध में शामिल है। अगर वह इस अपराध में शामिल है तो उसे सजा मिलनी चाहिए। शहीदुज्जमां ने बताया कि दो हफ्ते पहले उसकी अपने भाई शाहीन से फोन पर बात हुई थी और उस वक्त वह बेहद खुश था। मुझे लगता है कि वह फिलहाल अमेरिका में है। शहीदुज्जमां का कहना है कि उसे अपने भाई के बिजनेस के बारे में जानकारी नहीं है, लेकिन वह काफी धनी है।

पश्चिम बंगाल पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बांग्लादेश की अमेरिका के साथ कोई प्रत्यर्पण संधि नहीं है, लेकिन भारत की अमेरिका के साथ प्रत्यर्पण संधि है। ऐसे में हम कोशिश कर रहे हैं कि शाहीन को पहले अमेरिका से भारत लाया जाए क्योंकि अपराध भारत में हुआ है। शाहीन न्यूयॉर्क में हो सकता है और उसके पास अमेरिका की नागरिकता है।

हनी ट्रैप में फंसाकर बांग्लादेशी सांसद की हुई हत्या

उल्लेखनीय है कि जेनइदाह-4 सीट से तीन बार के सांसद अनवारुल अजीम अनार 11 मई को इलाज के लिए पश्चिम बंगाल के कोलकाता आए थे, लेकिन 13 मई को लापता हो गए थे। जांच में पता चला है कि बांग्लादेशी सांसद को हनी ट्रैप में फंसाकर कोलकाता के न्यू टाउन इलाके में स्थित एक फ्लैट में बुलाया गया और वहां उनकी बेरहमी से हत्या कर दी गई। अनार की हत्या से पहले शाहीन कोलकाता आया था और फिर यहां से बांग्लादेश और फिर नेपाल होते हुए अमेरिका भाग गया था। पश्चिम बंगाल सीआईडी का कहना है कि अनार की गला दबाकर हत्या की गई और फिर उनके शरीर के टुकड़े करके अलग अलग जगह फेंक दिया गया।

पंजाब सरकार ने इमरान खान के खिलाफ मामले दर्ज करने की मंजूरी दी,सेना के खिलाफ नफरत फैलाने का आरोप

इस्लामाबाद,25 मई 2024। पाकिस्तान में पंजाब सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पार्टी के लोगों के खिलाफ और मामले दर्ज करने की मंजूरी दे दी। इमरान खान और उनकी पार्टी पर सेना के खिलाफ नफरत फैलाने का आरोप लगाया गया है। क्रिकेटर से राजनेता बने 71 वर्षीय इमरान खान पिछले साल अगस्त से जेल में बंद हैं। पंजाब में मरियम नवाज की कैबिनेट ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के प्रमुख इमरान खान और उनकी पार्टी के अन्य नेताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई को मंजूरी दे दी। पंजाब के सूचना मंत्री आजमा बुखारी ने इसकी जानकारी दी।

अपने लेख में इमरान खान ने सैन्य प्रतिष्ठानों को घेरा था

इससे पहले एक अखबार के लेख में इमरान खान ने आरोप लगाया था कि सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के नेतृत्व में सैन्य प्रतिष्ठान उनकी पार्टी की उपस्थिति को पूरी तरह से खत्म करने की कोशिश की,लेकिन वे इसमें असफल रहे। उन्होंने आगे लिखा था कि जब उनकी पार्टी के समर्थकों पर सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला करने का झूठा आरोप लगाया गया था तो वह सैन्य प्रतिष्ठान के एजेंडे के खिलाफ देश की जनता द्वारा लिया गया लोकतांत्रिक बदला था। उन्होंने कहा कि लोगों का प्रदर्शन न केवल एक राष्ट्रीय विरोध का स्वर था बल्कि यह आधिकारिक राज्य की परिकल्पना की भी पूरी तरह से अस्वीकृत थी।

पूर्व प्रधानमंत्री ने अपने लेख में आगे लिखा कि अगर उनके या उनकी पत्नी के साथ कुछ भी गलत होता है तो जनरल असीम मुनीर इसके लिए जिम्मेदार होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि उनका विश्वास मजबूत है, इसलिए उन्हें किसी से डर नहीं लगता।

इमरान खान पर नफरत फैलाने का आरोप

आजमा बुखारी ने कहा कि इमरान खान मुजीबुर रहमान बनने की कोशिश कर रहे हैं। मुजीबुर रहमान ने पाकिस्तान के खिलाफ बांग्लादेश में स्वतंत्रता आंदोलन का नेतृत्व किया था। उन्होंने आगे कहा कि इमरान खान से मिलने जो भी अदियाला जेल जाते हैं, वे सभी नफरत फैलाने में उनका अनुसरण करते हैं। आजमा बुखारी ने कहा कि पंजाब सरकार एक पत्रकार की शिकायत के आधार पर ब्रिटिश अखबार में लेख लिखने के लिए इमरान खान और उनके सहयोगियों के खिलाफ मामला दर्ज कर सकती है।

सिंगापुर एयरलाइंस के विमान ने 62 सेकेंड तक झेली थी टर्बुलेंस, पायलट ने बताया क्या हुआ था

सिंगापुर, 25 मई 2024। सिंगापुर एयरलाइंस की फ्लाइट एसक्यू321 बीती 21 मई को टर्बुलेंस में फंस गई थी। इस दौरान एक यात्री की मौत भी हो गई थी। इसकी पूरी दुनिया में चर्चा हुई थी। अब पता चला है कि उस दिन सिंगापुर एयरलाइंस का विमान 62 सेकेंड तक टर्बुलेंस में फंसा रहा था और इस दौरान विमान पहले ऊपर गया और फिर तेजी से नीचे गिरा। विमान सिंगापुर से लंदन जा रहा था। जब विमान म्यांमार के इर्रावड्डी डेल्टा क्षेत्र के ऊपर था, इस दौरान वह टर्बुलेंस में फंस गया।

62 सेकेंड तक टर्बुलेंस में फंसा रहा विमान- फ्लाइट ट्रैकिंग डाटा वेबसाइट फ्लाइट रडार 24 के अनुसार, सिंगापुर एयरलाइंस का विमान बोइंग 777-300ईआर 62 सेकेंड में दो बार ऊपर नीचे हुआ। सिंगापुर के समय के अनुसार, दोपहर करीब 3.49 बजे विमान टर्बुलेंस में फंसा। विमान 37 हजार फीट पर उड़ रहा था और टर्बुलेंस में फंसते ही वह पहले ऊपर जाकर 37400 फीट की ऊंचाई पर पहुंचा। इसके बाद तेजी से नीचे गिरा और 36,975 फीट की ऊंचाई पर पहुंच गया। फ्लाइटरडार24 के आंकड़ों के अनुसार, पहले विमान 1664 फीट प्रति मिनट की दर या 507 मीटर प्रति मिनट की दर से ऊपर की तरफ गया। इसके छह सेकेंड बाद ही विमान 1536 फीट प्रति मिनट की दर से नीचे की तरफ आया। इसके तीन सेकेंड बाद ही विमान 900 फीट प्रति मिनट की दर से फिर से ऊपर की तरफ गया और फिर 1536 फीट प्रति मिनट की दर से नीचे आया।

साल 2018 में दुर्घटना करने वाले भारतीय मूल के ड्राइवर को निर्वासित करेगा कनाडा,16 लोगों की गई थी जान

ओटावा,25 मई 2024। साल 2018 में भयानक सड़क दुर्घटना का कारण बने भारतीय मूल के ट्रक ड्राइवर को कनाडा भारत निर्वासित करेगा। उस हादसे में 16 लोगों की मौत हुई थी और 13 अन्य घायल हुए थे। ड्राइवर जसकीरत सिंह सिद्धू साल 2014 में ही कनाडा पहुंचा था। फिलहाल वह कनाडा के अल्बर्टा प्रांत के कैलगेरी शहर में रह रहा है। कनाडा के अप्रवासन और शरणार्थी बोर्ड ने शुक्रवार को जसकीरत सिंह को भारत वापस भेजने का आदेश दिया।

जसकीरत की छिनी कनाडाई नागरिकता

जसकीरत को साल 2019 में ही 16 लोगों की मौत का दोषी ठहराया गया था और उस पर गलत तरीके से वाहन चलाने का आरोप सिद्ध हुआ। बीते साल ही जसकीरत को जमानत पर रिहा किया गया था। कनाडा के अप्रवासन विभाग के अधिकारी ट्रेंट कुक ने जसकीरत को निर्वासित करने का आदेश दिया। जसकीरत ने मानवीय और दया के आधार पर उसे निर्वासित न करने की मांग की, लेकिन कुक ने उसकी अपील खारिज कर दी। जसकीरत सिंह सिद्धू के वकील माइकल ग्रीन ने फैसले से नाराजगी जताई। हालांकि उन्होंने कहा कि अभी कई और कानूनी प्रक्रियाओं का पालन होना है, ऐसे में जसकीरत को निर्वासित करने में महीनों और वर्षों का समय लग सकता है।

21 वर्षीय युवक ने ट्रेन से कटकर की आत्महत्या

- संवाददाता -
अंबिकापुर,25 मई 2024 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर सूरजपुर जिले के विश्रामपुर रेलखंड में बीती रात अंबिकापुर के एक 21 वर्षीय युवक ने ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली। सुबह जब मृतक के परिजन उसे खोजते पहुंचे तो उसकी शिनाख्त अंबिकापुर निवासी व्यवसायी आकाश विश्वकर्मा के रूप में हुई। घटना जयनगर थानाक्षेत्र की है।

मिली जानकारी अनुसार, अंबिकापुर-विश्रामपुर रेलवे ट्रेक पर महावीरपुर में पोल क्रमांक 1041/4-5 के पास बीती रात युवक ने ट्रेक में लेटकर आत्महत्या कर ली। शनिवार को सुबह अंबिकापुर-जबलपुर एक्सप्रेस के लोको पायलट ने ट्रेक पर शव पड़ा देखा और सूचना अंबिकापुर आरपीएफ को दी। सूचना पर आरपीएफ अंबिकापुर एवं जयनगर पुलिस मौके पर पहुंची। युवक की शिनाख्त अंबिकापुर के

गांधीनगर थानाक्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 8,फुंदुरडिहारी निवासी आकाश विश्वकर्मा 21 वर्ष के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि आकाश विश्वकर्मा रात करीब 9.30 बजे घर से खाना खाकर पास में स्थित दुकान में सोने जाने के नाम से निकला था। वह अपना मोबाइल भी बंद कर घर में ही छोड़ आया था। परिजन सुबह से उसकी तलाश कर रहे थे। उन्हें रेलवे ट्रेक पर एक युवक का शव मिलने की सूचना मिली तो परिजन मौके पर पहुंचे एवं आकाश विश्वकर्मा की शिनाख्त कर ली। मृतक आकाश के पिता सुनील विश्वकर्मा ने बताया कि आकाश के आत्महत्या करने का कारण उन्हें भी समझ में नहीं आ रहा है। बीती रात जब वह घर से निकला तो सामान्य था। उसकी गाड़ी भी घर में खड़ी है। आशंका है कि वह आटो से स्टेशन तक आया था। घटनास्थल पर कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है।

पीवीटीजी समुदाय में टीबी जागरूकता

कार्यक्रम व स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

- संवाददाता -
लखनपुर, 25 मई 2024 (घटती-घटना)।

आज लखनपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत लोसंगा ढेलवाबार में स्वास्थ्य विभाग के समन्वय और सहयोग से पीरामल फाऊंडेशन जिला कार्यक्रम अधिकारी सरस्वती विश्वकर्मा ने शिविर में उपस्थित होकर सभी लोगों को स्वास्थ्य संबन्धित विषयों पर जानकारी देते हुए टीबी रोग के लक्षण, जांच, उपचार, सहित विभिन्न प्रकार की जानकारी दी गई। शिविर में उपस्थित विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के विकास और शासन की योजनाओं को पहुंचाने का कार्य आयुष्मान आरोग्य मंदिर की सीएचओ मनीषा जी के द्वारा लगातार पहुंचहीन एरिया में टीबी मुक्त पंचायत के संदर्भ में स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर समुदाय के लोगों को जागरुक किया जा रहा है। साथ ही संदिग्ध टीबी मरीज का सेंपल कलेक्शन, बीपी जांच, सुगर जांच, और रेफरल संबन्धित विषयों पर जानकारी दिया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लखनपुर के साऊल सर ने सभी लोगो का जांच कर दवाइयां दी। और टीबी मुक्त पंचायत के संदर्भ में जागरूक किया।

पेड़ से गिरकर ग्रामीण की हुई मौत

- संवाददाता -
लखनपुर,25 मई 2024 (घटती-घटना)।

लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम कटकोना में 25 मई दिन शनिवार की सुबह लगभग 7 बजे पेड़ से गिरकर 55 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई है लखनपुर पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मिली जानकारी के मुताबिक सुमार साय पिता साइ राम उम्र 55 वर्ष ग्राम कटकोना निवासी जो सुबह 7 घर के बाड़ी में लगे सागौन पेड़ में लगभग 15 से 20 फीट ऊपर पेड़ की टहनी पकड़कर डगाल छताई कर रहा था टहनी टूटने के बाद सुमार साय आनियंत्रित होकर जमीन पर गिरा जिससे उसके शरीर में अंदरूनी गंभीर चोटे आए जिसे उपचार हेतु लखनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल

रेफर किया गया जिला अस्पताल ले जाने के दौरान केवरा तहसील कार्यालय के पास ग्रामीण ने दम तोड़ दिया। परिजनो द्वारा वापस उसे लखनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां डॉक्टर ने उसे मृत्यु घोषित किया घटना की सूचना लखनपुर पुलिस को दि गई । सुचना उपरान्त लखनपुर पुलिस अस्पताल पहुंची और शव का पंचनामा कार्रवाई कर मर्ग कायम करते हुए मामले की जांच में जुटी है। साथ ही शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सुपुर्द किया गया ।

थाना लुन्ड्रा एवं थाना धौरपुर पुलिस टीम द्वारा कुल 07 गिरफ़्तारी वारंट किये गए तामिल

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 25 मई 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस द्वारा जारी अभियान ऑपरेशन विश्वास के तहत आपराधिक मामलो मे शामिल फरार वारंटियों की धरपकड़ की जा रही हैं, इसी क्रम के आज दिनांक कों थाना लुन्ड्रा पुलिस टीम द्वारा वारंटी (01) सूरज साकिन खाराकोना (02) ईश्वर साकिन खाराकोना (03) नान्हू साकिन आमगाँव (04) लक्ष्मीराम साकिन खराकोना (05) श्रीमती उरवशी साकिन खाराकोना सभी साकिन थाना लुन्ड्रा कुल 05 गिरफ़्तारी वारंट तामिल किया गया हैं एवं थाना धौरपुर द्वारा (01) रूद्र नारायण सिंह साकिन बरडीह थाना धौरपुर (02) आनंद साय बिलम्हा थाना धोरपुर कुल 02 गिरफ़्तारी वारंट तमिल किया गया हैं, आज दिनांक कों कुल 07 गिरफ़्तारी वारंट

की तामिलीं कर फरार वारंटियों कों माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया हैं।

सरगुजा पुलिस द्वारा आगे भी फरार वारंटियों की धरपकड़ लगातार जारी रखी जायगी।

नौतपा के पहले दिन शाम को हुई मूसलाधार बारिश,उमस भरी गर्मी से राहत नहीं

- संवाददाता -
अंबिकापुर,25 मई 2024 (घटती-घटना)।

नौतपा के पहले दिन शनिवार की शाम को मूसलाधार बारिश हुई। बारिश के बावजूद भी लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिली। लोग उमस भरी गर्मी से परेशान रहे। वहीं सरगुजा संभाग में रेमल चक्रवात का असर देखा गया। नौतपा के पहले दिन शनिवार का अधिकतम तापमान 39.5 डिग्री रहा। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार बंगाल की खाड़ी में बना अवदाब अब गहन अवदाब की ओर विकसित हो गया है। शनिवार की दोपहर के आसपास इसके चक्रवाती तूफान का रूप में प्रभावित हुआ है। जिसका नाम रेमल है। इसका असर उतरी छत्तीसगढ़ में आंशिक असर देखी जा रही है। हालांकि नौतपा का शनिवार को पहला दिन था। सुबह से सूर्य की तीखी किरणों से लोग परेशान रहे।

चिलचिलाती धूप के कारण लोगों को घर से निकलाना मुश्किल हो रहा था। वहीं शाम करीब 5 बजे के करीब अचानक मौसम का मिजाज बदल गया और मूसलाधार आधा घंटे तक बारिश हुई। बारिश के बावजूद भी लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत नहीं मिली। लोग चिपचिपी गर्मी से ब्याकुल रहे। मौसम विभाग के अनुसार बंगाल की खाड़ी में सक्रिय चक्रवात के कारण नम हवा आ रही है। वहीं उत्तर-पश्चिम से आ रही गर्म हवा के कारण चिपचिपी गर्मी बड़ रही है। शनिवार का अधिकतम तापमान 39.5 डिग्री दर्ज किया गया है। मौसम विभगा का मानाना है कि 27 मई के बाद तापमान में आंशिक वृद्धि की संभावना है।

सुरजपुर पुलिस ने कब गठित की स्पेशल टीम जो

जुआड़ियों को पकड़ कर लेनदेन कर छोड़ देती है ?

जुआ फड़ पर कार्यवाही की बजाय स्पेशल टीम ने जुआड़ियों से लेनदेन कर छोड़ने का आरोप

स्पेशल टीम किसी अधिकारी ने गठित की या फिर शातिर पुलिसकर्मी ने खुद ही टीम गठित कर उगाही के लिए कर रहे कार्यवाही...बना जांच का विषय ?

सूरजपुर के ईमानदार पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति में बेलगाम पुलिसकर्मी पुलिस के नाम क्यों डूबा रहे ?

पुलिस अधीक्षक सूरजपुर को लेना होगा इस मामले में संज्ञान और बेलगाम पुलिसकर्मियों पर करनी होगी कार्रवाई

-ओंकार पांडेय-
सुरजपुर,25 मई 2024
(घटती-घटना)।
सूरजपुर जिले में भी कुछ पुलिसकर्मी अपने आप को किसी अधिकारी से कम नहीं समझते ऐसा लगता है कि उन्हें किसी नेताओं का संरक्षण है,जिस वजह से वह अधिकारियों से भी ऊपर चल रहे हैं, जानकारी आ रही है कि एक प्रधान आरक्षक खुद ही टीम गठित कर जुआ फाड़ पर कार्यवाही करने पहुंच जाता है और लेनदेन करके अपना जेब भर लेता है पर वही इस स्पेशल टीम बताता है, जबकि क्या वाकई में किसी अधिकारी ने कोई स्पेशल टीम जुआ पकड़ने के लिए तैयार की है या फिर बेलगाम प्रधान आरक्षक अपने से ही टीम गठित करके पुलिस की छवि खराब करने पर आ गए, सुरजपुर जिले की कानून व्यवस्था को लेकर अब पुलिसकर्मी ही चुनौती बनते जा रहे हैं जो कानून पालन कराने की बजाए कानून तोड़ने वालों से वसूली कर रहे हैं ऐसा एक बड़ा आरोप सूरजपुर जिले के कोतवाली पुलिस पर लगा है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 22 मई को रात में कोतवाली पुलिस के प्रधान आरक्षक को ग्राम धनेशपुर में जुआ खेलने वाले जुआडियों की सूचना प्राप्त होती है और प्रधान आरक्षक द्वारा खुद एक टीम रात में ही तैयार की जाती है

और वह निकल जाते हैं जुआडियों को पकड़ने। इस बीच वह न तो जिले के पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को ही सूचना देना मुनासिब समझते हैं न ही थाना प्रभारी को ही वह सूचित करते हैं। बताया जा रहा है की कुल आठ लोगों की पुलिस टीम तैयार कर प्रधान आरक्षक अपने साधन से जुआ फड़ जहां संचालित हो रहा होता है वहां पहुंचते हैं और वहां उन्हे केवल घेराबंदी के बाद दो जुआड़ी ही मिल पाते हैं जिन्हे वह पकड़ पाते हैं वहीं जुआ फड़ से पुलिस टीम को कुल 40000 रुपए बरामद हो पाता है और सात मोटरसाइकल पुलिस वहां से बरामद कर पाती है। बताया यह भी जा रहा है की पुलिस टीम की कार्यवाही के दौरान ही नियत बदल जाती है और वह वहीं पकड़े गए दो जुआडियों से वसूली करना शुरू कर देते हैं। बताया जा रहा है की दो मोटरसाइकिल का दस हजार लेकर वहीं से छोड़ दिया गया वहीं बचे पांच मोटरसाइकिल पुलिस टीम पीकअप में लादकर कोतवाली ले आती है और वहीं से लेनदेन कर मोटरसाइकिल छोड़ने लगती है। सूत्रों के अनुसार बरामद पैसे का भी कोतवाली लौटने के बाद बराबर बंटवारा वह लोग आपस में कर लेते हैं जो स्पेशल टीम में जुआ फड़ पर कार्यवाही के लिए पहुंचे हुए होते हैं। घटती-घटना इस मामले की पुष्टि नहीं करता पर जांच की मांग जरूर करता है।

क्या था स्पेशल टीम का रेट लिस्ट ?

सूत्रों की माने तो पाल की स्पेशल टीम ने जुआरियों और उनके गाड़ियों को छोड़ने कीमत तय की थी वह इस प्रकार था एक मोटरसाइकिल की कीमत 5 हजार तय की गई थी वही एक आरोपी से? 8000 लिए गए वह भी एक पुलिसकर्मी के खाते में यह सिलसिला रात से शुरू होकर दूसरे दिन दोपहर तक चलता रहा और सभी गाड़ियां कोतवाली से धीरे-धीरे जाती रही वही इस पूरी घटना का कोतवाली प्रभारी सहित उच्च अधिकारियों को भनक तक ना लगी।

पुलिस अधिकारियों को नही है जानकारी ?

कोतवाली पुलिस के यह स्पेशल टीम रात में जिस प्रकार वसूली कर रही और थाना से लेकर घटनास्थल तक जिस प्रकार खेल चल रहा वहीं उच्च अधिकारियों की माने तो इस पूरे घटनाक्रम की उन्हें कोई जानकारी नहीं है तो इससे आप अंदाजा लगा सकते हैं की कितने सातिर किस्म के यह स्पेशल टीम के लोग हैं, जो अपने उच्च अधिकारियों को भी चकमा दे रहे हैं।

कानून के द्वारा बनाए गए नियम की उड़ी धज्जियां

कानून ने जिस प्रकार किसी भी काम के लिए नियम तय किया हैं उन नियमों को यह स्पेशल टीम धज्जियां उड़ा रहे हैं अगर इन्हें जुआ खेलने की जानकारी मिलती है तो इन्हें सबसे पहले अपने प्रभारी सहित उच्च अधिकारियों को यह अवगत कराना चाहिए था इसके बाद उनकी अनुमति से टीम गठित होती और रेड की कार्रवाई की जाती लेकिन इस टीम की मंशा ही कुछ और थी।

मीडिया की जानकारी के बाद बना प्लान बी

वही जब इस पूरी घटना की जानकारी मीडिया को लगी मीडिया को लगी तो यह स्पेशल टीम ने प्लान भी बनाया और एक मनगढ़ंत कहानी रची कहानी में उन्होंने यह बताया की जुआ की जानकारी मिली और हम रेड करने मौके पर पहुंचे लेकिन वहां हमें कोई नहीं मिला और 5 गाड़ियां मिली जिसे हमने थाने लाया और सुबह मोटर व्हीकल एक्ट की कार्यवाही कर उसे छोड़ दिया साथी 8000 खाते में लिए गए पैसे से इंकार करते नजर आ रहे हैं, वहीं रेड की कार्रवाई में जाने की जानकारी कोतवाली प्रभारी को बताने की बात कर रहे हैं।

क्या पुलिस अधिकारी इस मामले की करेगे जांच ?

जिस प्रकार इन अपराधियों को छोड़ने में पुलिस की स्पेशल टीम ने अपनी भूमिका निभाई है और प्लान भी के तहत एक झूठी कहानी रची तो ऐसी कई सवाल है, जिस पर पुलिस अधिकारियों को जांच करने की जरूरत है, लेकिन क्या पुलिस विभाग अपने मातहत पुलिसकर्मियों को दोषी ठहराने की बजाए किसी शिकायत के इंतज़ार में मामला ठंडे बस्ते में डालेगी, या कोई कार्रवाई भी देखने मिलेगी, ताकि दूसरों के लिए नजीर बन सके, यह तो आने वाला वक्त बताएगा कि आखिर इस स्पेशल टीम की यह करतूत सामने आएगी या फिर पुलिस ही पुलिस को बचाकर इन्हें पाक सब बना देगी?

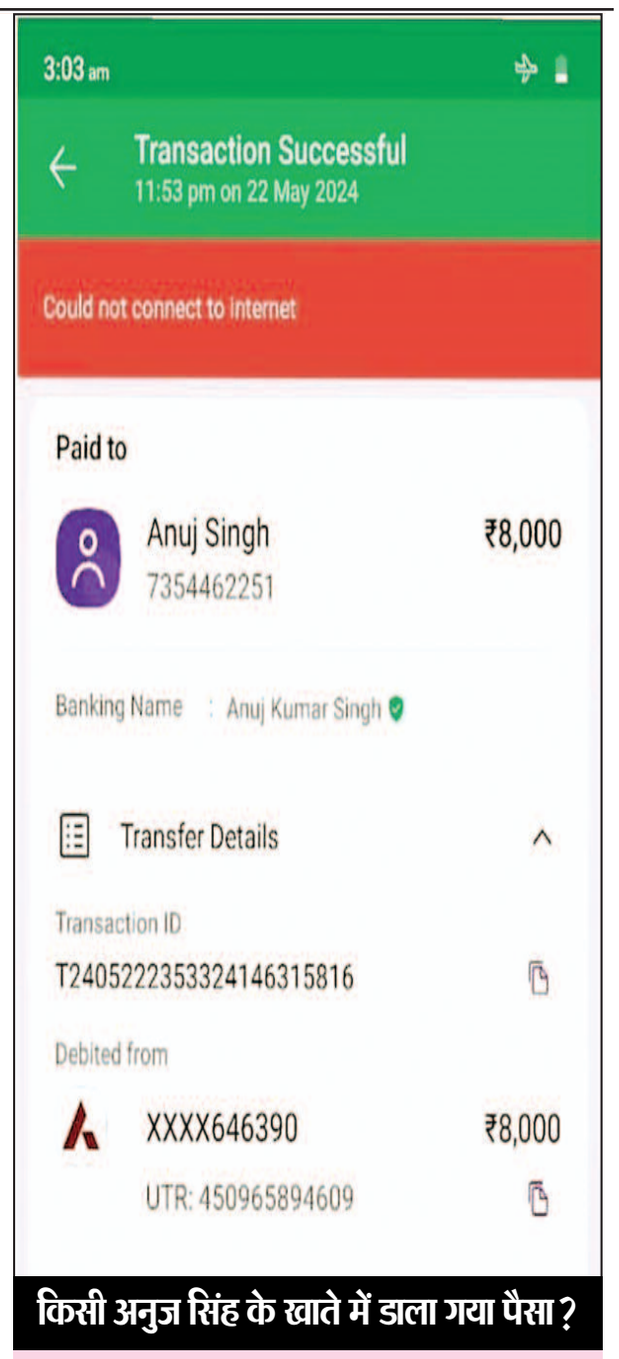

किसी अनुज सिंह के खाते में डाला गया पैसा ?

मामले से जुड़े कुछ सवाल

सवालः- क्या पुलिस के आला अधिकारी इस स्पेशल टीम के लोगों का कॉल डिटेल निकलेगी ?

सवालः- रात के 12:00 बजे पुलिसकर्मी ने किस अनुज सिंह के खाते में 8 हजार रूपए डलवाए क्या वह पुलिसकर्मी था या कोई बाहरी व्यक्ति ?

सवालः- क्या पुलिस अधिकारी स्पेशल टीम की मोबाइल लोकेशन और उसे वक्त किन-किन लोगों का मोबाइल एक्टिव था घटनास्थल में यह पता करा आएगी ?

सवालः- घटनास्थल में मिले गाड़ियों को थाने लाने के बाद 102 की कार्यवाही ना करके मोटर व्हीकल एक्ट की कार्यवाही क्यों की गई इसकी जांच की जाएगी ?

सवालः- कोतवाली थाने में लगे सीसीटीवी कैमरे कितनी गाड़ियां आई और उन्हें सुबह कौन लेकर गया और इस स्पेशल टीम में कौन-कौन थे ?

पुनःजिले की कानून व्यवस्था को लेकर सवाल खड़ा हो रहा है...

वैसे जुआ फड़ पर कार्यवाही और उसके बाद वसूली का जो आरोप कोतवाली पुलिस पर लगा है उसके बाद यह सवाल खड़ा हो रहा है की क्या ऐसे ही पुलिसकर्मियों के भरोसे जिले की कानून व्यवस्था सम्हाली जायेगी क्या पुलिस अधीक्षक की कानून व्यवस्था को लेकर जो मंशा है उसे जिले के पुलिस कर्मी इसी तर्ज पर पूरा करेंगे। सवाल कई हैं क्योंकि जिले में यह कोई नया मामला नहीं है जुआ फड़ मामले में पूर्व में बसदेई पुलिस चौकी के पुलिसकर्मियों के संरक्षण में बड़ा जुआ फड़ संचालित हो रहा था जिस खबर को दैनिक घटती-घटना ने प्रमुखता से प्रकाशित किय था जिस के बाद जिले के तत्कालीन पुलिस अधीक्षक ने कार्यवाही की थी जहां बड़े स्तर का जुआ पकड़ा गया था जिसके बाद बसदेई पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा हुआ था पर पुलिसकर्मियों पर कार्यवाही नहीं हो पाई थी, वहीं अब कोतवाली के कुछ पुलिसकर्मियों के कारण पुनः जिले की कानून व्यवस्था को लेकर सवाल खड़ा हो रहा है।

जुनून,जज्बा व समाज सेवा की पहचान, प्रेम की प्रतिमूर्ति और कर्तव्य निष्ठ की मिसाल

लांस नायक महेश मिश्रा ने फिर बढ़ाया जिले का मान

उड़ीसा के ढेंकानाल जिले के कमलांग में लगायी यातायात,घरेलू हिंसा, महिला उत्पीड़न,मानव व्यापार,साइबर अपराध जागरूकता की पाठशाला

-संवाददाता-
कोरिया,25 मई 2024
(घटती-घटना)।
तन समर्पित मन समर्पित यह जीवन समाज सेवा के नाम समर्पित वाक्य को चरितार्थ करते हुए जिले में ट्रैफिक मैन के नाम से मशहूर लांस नायक महेश मिश्रा छठवें एवं सातवें चरण लोकसभा एवं उड़ीसा विधानसभा निर्वाचन हेतु उड़ीसा राज्य में कर्तव्यस्थ हैं,जहां उन्होंने लोकतंत्र के महापर्व में कुशलता पूर्वक अपने कर्तव्य का निर्वहन करने के साथ ही अपने निजी समय में से समय निकालकर उड़ीसा राज्य के ढेंकानाल जिले के ग्राम कमलांग के पंचायत भवन में अस्पायर संस्था द्वारा संचालित कम्युनिटी एजुकेशन रिसोर्स सेंटर पहुंच कर प्रशिक्षणार्थी छात्र-छात्राओं एवं आम जनों को यातायात नियमों,संकेतों एवं चिन्हों, महिला उत्पीड़न,घरेलू हिंसा, पॉक्सो अधिनियम,साइबर अपराध, मानव व्यापार से संबंधित जानकारी प्रदान की।

नाबालिग छात्रों को वाहन न चलाने की समझाइश दी गई साथ ही 18 वर्ष से ऊपर की आयु होने पर ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के बाद ही वाहन चलाने के लिए कहा। यातायात नियमों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई छात्रों एवं आमजनों के द्वारा पूछे गए प्रश्नों का सही उत्तर दिया गया, छात्रों को भविष्य में यातायात नियमों का उल्लंघन ना करने के लिए संकल्पित किया गया। यातायात लांस नायक महेश मिश्रा द्वारा यातायात के अनिवार्य,चेतावनी एवं सूचनात्मक चिन्हों की जानकारी के साथ यातायात संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए चौराहा पार करने का नियम,ट्रैफिक सिग्नल लाइट, हाथों के संकेतों के माध्यम से यातायात व्यवस्था का संचालन, हेलमेट और सीट बेल्ट की अनिवार्यता, दो पहिया वाहन में तीन सवारी ना चलना, वाहन चलाते समय मादक द्रव्यों का सेवन ना करना, तेज गति व लापरवाही पूर्वक वाहन ना चलाना, प्रेशर हॉर्न का उपयोग ना करना, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करने,ज़ेब्रा क्रॉसिंग रेलवे क्रॉसिंग,गुड समेरिटन,लाइसेंस बनवाने के नियम, दुर्घटना के कारण, दुर्घटना घटित होने पर चालक के कर्तव्य, सड़क सुरक्षा मितान, सड़क पर वाहन चलाने का सही तरीका, मोटर व्हीकल एक्ट की विभिन्न धाराएं व उसमें निर्धारित जुर्माने की राशि से संबंधित जानकारी प्रदान की गई एवं जीवन में यातायात नियमों के पालन करने की शपथ दिलाई गई। उक्त जागरूकता अभियान के दौरान कम्युनिटी एजुकेशन रिसोर्स सेंटर की फैसिलिटेटर दीपिका राज,वरिष्ठ प्रशिक्षणार्थी सौम्य रंजन, सोमेश, पियूष,जिज्ञासा,लीना,आरती,पूजा एवं वर्षा रानी के साथ काफी संख्या में छात्र-छात्रा एवं स्थानीय जन उपस्थित रहे। गौरतलब है कि लांस नायक महेश मिश्रा जिले सहित राज्य भर के विभिन्न जिलों में वर्ष भर यातायात जागरूकता की पाठशाला लगाने के लिए जाने जाते हैं अब उड़ीसा राज्य में यातायात जागरूकता कैंप लगाकर अपनी कार्य कुशलता का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया है।

कोरिया जिला शतरंज संघ बैकुन्ठपुर की जिला कार्यकारिणी गठित,बैठक में लिए गये कई महत्वपुर्ण

कोरिया जिला शतरंज संघ अध्यक्ष बने राजेन्द्र सिंह

-संवाददाता-
कोरिया,25 मई 2024
(घटती-घटना)।
बैकुन्ठपुर कोरिया जिला शतरंज संघ बैकुन्ठपुर की महत्वपूर्ण बैठक किड्स वर्ल्ड हायर सेकेन्डरी स्कूल प्रांगण हर्रापारा में आयोजित की गई, इस बैठक में कोरिया जिला शतरंज संघ की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया सर्वसम्मति से राजेन्द्र सिंह को जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया,उल्लेखनीय है कि विगत वर्ष इनके कुशल नेतृत्व में बैकुन्ठपुर में पहली बार अंतर्राष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता का सफल एवं ऐतिहासिक आयोजन किया गया था,अध्यक्ष बनने के उपरांत राजेन्द्र सिंह ने कहा कि इस जिले में शतरंज खेल में बच्चों में असीमित प्रतिभाए है जरूरत है इनके प्रतिभा को

निखारने की जिसके लिए बैकुन्ठपुर मे ज्यादा से ज्यादा विभिन्न स्तरो की शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन करना,स्कूलों में निःशुल्क कोचिंग क्लासेस आयोजित करना,शतरंज की नियमित प्रेक्टिस के लिए उपयुक्त स्थान का चयन करना इसके अलावा बैठक में माह जून में अम्बिकापुर में आयोजित संभाग स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में कोरिया जिले से ज्यादा से ज्यादा छात्र खिलाड़ियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के सम्बन्ध में सार्थक चर्चा की गई साथ आने वाले अक्टूबर माह में भव्य इन्टरनेशनल प्रतियोगिता कराये जाने पर भी विचार विमर्श किया गया। कोरिया जिला शतरंज संघ बैकुन्ठपुर की नवीन कार्यकारिणी इस प्रकार हैः-अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह, उपाध्यक्ष रूपनारायण पाण्डेय, आशीष गुप्ता,शिवहरी देवांगन संयोजक योगेश गुप्ता,महासचिव अब्दुल शमीम कुरेशी,सचिव डा विजय कुमार जांगड़े, कोषाध्यक्ष आनंद कुमार तिवारी,सहसचिव अजय गुप्ता,मीडिया प्रमुख संवर्त कुमार 'रूप',संगठन उपाध्यक्ष डॉ गौरवकांत बड़ेरिया,सगठन सचिव मो परवेज अंसारी,कार्यकारिणी सदस्य कुमारी अंजुम,राशिद रसीद।

वन भैंसा को भा रहा गुरु घासीदास नेशनल पार्क,जनकपुर रेंज में घूम रहे 17 गौर

गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान के जनकपुर वन रेंज में 17 वन भैंसे दिखने से वन विभाग खुश है... वनकर्मी वन भैंसों पर नजर बना कर रखे हुए हैं...

-संवाददाता-
मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी भरतपुर,25 मई 2024
(घटती-घटना)।
जिले के गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान के जनकपुर फॉरेस्ट रेंज में 17 वन भैंसा देखे गए हैं। जिसमें से 14 गौर और 3 बच्चे शामिल है। सभी एक साथ जनकपुर के जंगल के अंदर बनाए गए तालाब से जाते हुए कैमरे में कैद हुए हैं। मध्य प्रदेश से छत्तीसगढ़ पहुंचे वन भैंसे ये सभी वन भैंसे मध्यप्रदेश के संजय गांधी

राष्ट्रीय उद्यान से आये है,जो गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान के क्षेत्र में आकर घूम रहे हैं। जनकपुर रेंजर और उनकी टीम इन सभी वन भैंसों पर निगरानी बनाए हुए है।

17 वन भैंसों को पसंद आय जनकपुर रेंज

गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान, मध्यप्रदेश के संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान से लगा हुआ है, वहां कान्हा किसली राष्ट्रीय उद्यान से 40 गौर लाये गए हैं, जिनमे से 17 गौर विचरण करते हुए गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान के जनकपुर पहुंच गए, दिन में गश्त के दौरान एक गौर कैमरे में कैद हुआ है, बताया जा रहा है कि ग्राम जलवा के कुदरा बीट में इन वन भैंसों को देखा गया है।

वन भैंसों पर नजर रख रहा वन विभाग

जनकपुर रेंज के रेंजर राजाराम ने बताया कि जनकपुर गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान में गौर घूम रहे हैं। मध्यप्रदेश से आए 17 गौर को यहां की आबोहवा भा रही है वो बीते कई दिनों से यहीं विचरण कर रहे हैं।

पटवारी पर दूसरी एफआईआर,4 अन्य भी बनाए गए आरोपी,जिला प्रशासन ने नही की कार्यवाही तो खटखटाया न्यायालय का दरवाजा

आरोपी ने भूमि के वारिसान पुत्र के जीवित होने के बावजूद बताया मृत,न्यायालय के निर्देश पर एफआईआर हुआ दर्ज

एफआईआर की जानकारी मिलते ही सभी आरोपी फरार

-रवि सिंह-
कोरिया,25 मई 2024
(घटती-घटना)।

राजस्व न्यायालय से जमीन मामले में न्याय हो जाए यह तो नामुमकिन सा लगने लगा है,इसके एक नई कई उदाहरण है लोगों का तो राजस्व न्यायालय से भरोसा ही उठ चुका है,यहां पर सिर्फ न्याय पैसे से मिलता है, तहसील एसडीएम या फिर कलेक्टर सभी के न्यायालय में राजस्व के कई मामले पड़े होंगे पर न्याय सत्य से ज्यादा असत्य के तरफ जाता है, इसकी वजह सिर्फ एक ही है पैसा जिसने पैसा दिया न्याय उसे तरफ, यह हम नहीं कहते यह पीड़ितों का कहना है, इसका एक उदाहरण फिर सामने आया है जब राजस्व न्यायालय से नहीं मिली न्याय तो फिर जिला न्यायालय की शरण में ही जाना न्याय का एकमात्र रास्ता, एक बार फिर एक पीड़ित में राजस्व से हारकर जिला न्यायालय पहुंचा जहां पर अपराध दर्ज के आदेश दिए गए, जिला प्रशासन से राहत नही मिलने के बाद फरियादी ने माननीय सीजेएम न्यायालय में परिवाद दायर किया, न्यायालय के निर्देश धारा 156 (3) के तहत बैकुण्ठपुर थाने में 5 आरोपियों के खिलाफ धारा 420, 120 बी 465, 467, 468, 471 के तहत अपराध दर्ज हुआ है।

दरअसल,परिवादी अब्दुल कमाल के पिता स्व अब्दुल सुभान आ. वली मोहम्मद के नाम से ग्राम मझगवां में भूमि खसरा नंबर 20/1 रकबा 1.214 हे0 स्थित थी। परिवादी के पिता की मृत्यु वर्ष 2003 में हो चुकी है। परिवादी के पिता की मृत्यु के बाद परिवादी की भाभी हामिदा बेवा अब्दुल जमाल एवं परिवादी ने उक्त भूमि पर फौती नामान्तरण के लिए ग्राम पंचायत मझगवा में आवेदन प्रस्तुत किया था। जिस पर एक आरोपी की माँ जमीरन बी द्वारा आपत्ति किये जाने पर तत्कालीन हल्का पटवारी आरोपी वंदना कुजूर ने तहसील न्यायालय में नामांतरण प्रकरण विवादित होने का प्रतिवेदन देते हुए प्रकरण अग्रिम कार्यवाही के लिए तहसीलदार के यहाँ प्रस्तुत किया था। जिस पर तहसीलदार साहब ने राप्रक्र 41/अ-6/2012-13 दर्ज कर उक्त प्रकरण में आपत्ति को निरस्त कर प्रकरण दिनांक 13 मई 2014 को साक्ष्य के लिये नियत रखा था। तहसीलदार के आदेश के विरूद्ध आरोपी साबिर हुसैन व अन्य ने अपर कलेक्टर वैकुण्ठपुर के समक्ष पुनरीक्षण किया गया था, जिस पर दिनाक 18 जनवरी 2019 को सुनवाई करते हुए अपर कलेक्टर ने उनका पुनरीक्षण निरस्त कर दिया। तत्पश्चात् आरोपी साबिर हुसैन ने अपर आयुक्त के समक्ष पुनरीक्षण पेश किया गया था। जिस पर अपर आयुक्त न्यायालय में वाद भूमि के संबंध में आगामी सुनवाई तिथि तक यथास्थिति बनाये रखने का आदेश दिया गया था। बाद में दिनांक 29 जून 2022 को पुनरीक्षण अदम पैरवी में खारिज कर दिया। इस तरह भूमि पर विवाद जारी था।

अपराध दर्ज होने के बाद 20 दिन से फरार है पटवारी वंदना कुजूर

पटवारी को किसका मिल रहा संरक्षण,अचार संहिता में कलेक्टर के परमिशन बिना नहीं मिल सकती छुट्टी, बड़े सालही में पदस्थ है पटवारी वंदना,रिकार्ड लेकर हुई गायब सूत्र,कोरिया जिले की बहुचर्चित महिला पटवारी वंदना कुजूर अचार संहिता लगे होने के बावजूद लगभग 20 दिनों से फरार है,महिला पटवारी का विवादों से पुराना नाता है,हर बार अधिकारियों के संरक्षण के कारण उसके हौसले इतना बुलंद हैं कि वह छोटे मोटे अधिकारी और जनप्रतानिधि को भी कुछ समझना नही चाहती। मन माफिक काम, विवाद, किसी मामले में फसाने की धमकी, नियम विरुद्ध काम और लोगो को परेशान करना यही उक्त पटवारी की पहचान है

21 नवम्बर को की थी कलेक्टर एसपी को शिकायत

परिवादी ने उक्त घटना की लिखित शिकायत पुलिस अधीक्षक कोरिया एवं कलेक्टर कोरिया को दिनांक 21 नवंबर 2023 को किया गया है, किन्तु पुलिस के द्वारा अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की गयी है। जिसके बाद परिवादी ने 156(3) के तहत न्यायालय का दरवाजा खटखटाया, और माननीय न्यायलय के निर्देश पर अपराध दर्ज हुआ है। मामले में आरोपी जोहरा बीबी,(45) , साबिर (50),हल्का पटवारी वंदना कुजूर (32) राजाराम,(60 वर्ष),और इश्ताक अहमद (50) के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

नामांतरण के आवेदन पर खुली पोल

अपर आयुक्त के यहाँ से प्रकरण निरस्त होने के बाद परिवादी व उसकी भाभी हमीदा ने पुनः पूर्व में दिये गये आवेदन पत्र व विचाराधीन प्रकरण के आधार पर नामान्तरण कार्यवाही के लिए प्रकरण प्रारंभ करवाया। तब उस प्रकरण में हल्का पटवारी से प्रतिवेदन मगाये जाने पर जानकारी हुई कि परिवादी के पिता की भूमि मंजू जायसवाल के नाम पर दर्ज है। जिस पर परिवादी तहसील कार्यालय व रजिस्ट्रार कार्यालय से सम्पूर्ण प्रकरण का नकल निकलवाया तो उसे पता चला कि एक आरोपी ने अपनी पत्नी जिसे पुलिस ने आरोपी बनाया है के नाम से परिवादी के पिता के नाम से एक फर्जी एवं कूटरचित वसीयतनामा अपने सहयोगी राजाराम और इश्ताक के साथ मिलकर षड़यंत्रपूर्वक तैयार करवा कर तथा परिवादी के पिता का कूटरचित हस्ताक्षर कर के अवैध रूप नामान्तरण करवा लिया गया है। तथा उक्त भूमि को मजू जायसवाल को विक्रय कर दिया है। तहसील न्यायालय से प्रकरण की नकल निकलवाने पर यह भी जानकारी हुई कि तत्कालीन हल्का पटवारी ने तहसीलदार के समक्ष अपने पद का दुरूपयोग करते हुए आरोपियों को प्रभावित होकर बिना सत्यता की जाँच किये अब्दुल सुभान के वारिसानो की झूठी जानकारी व पंचनामा पेश किया है।

वारिसों को बताया मृत

एक आरोपी ने वारिसानों की जानकारी प्रतिवेदन में अब्दुल सुभान के पुत्रो को मृत होना बताते हुए अब्दुल सुभान के कोई वारिसान वर्तमान में जीवित नहीं है, लेख कर प्रतिवेदन पेश किया है, जबकि अब्दुल सुभान के पुत्र परिवादी स्वयं जीवित है एवं अब्दुल सुभान के मृत पुत्र अब्दुल जमाल की बेवा हमीदा वी जीवित है। एक आरोपी जो कि नामान्तरण कार्यवाही में शुरू से लेकर अब तक आपत्तिकर्ता के रूप में एवं आवेदक के रूप में विभिन्न न्यायालयों में परिवादी एव उसकी भाभी हमीदा के विरूद्ध केस करता रहा है उसे सभी तथ्यों की भली भांति जानकारी थी, उसने न्यायालय को गुमराह करते हुए आरोपीगण के साथ मिलकर आपराधिक षड्यंत्र करते हुए परिवादी के पिता की मृत्यु के बाद फर्जी वसीयत बनवाकर तथा फर्जी हस्ताक्षर कर उनकी मृत्यु के 15 वर्ष पश्चात् परिवादी के पिता की जमीन को अपनी पनी के नाम करवा कर बिक्री कर दिया है।

डिज्नीलैंड मेले के तीन लोगों की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

जांच में जुटी पुलिस

-संवाददाता-
कोरबा,25 मई 2024
(घटती-घटना)।

कोरबा शहर के बुधवारी स्तिथ महाराणा प्रताप चौक के समीप इन दिनों डिज्नीलैंड मेला लगा हुआ है । जहां बच्चों के लिए कई झूले लगाए गए है एवं विभिन्न प्रकार के वस्तुओं एवं खाने के स्टॉल भी व्यापारियों द्वारा इस मेले में लगाए गए है । बीती रात इस मेले में उत्तर प्रदेश के तीन लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई । जिसकी सूचना मानिकपुर चौकी को दी गई,जिसपर पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है । घटना मानिकपुर चौकी क्षेत्र अंतर्गत महाराणा प्रताप चौक के समीप स्थित डिज्नीलैंड मेले की है । जहां बीती रात तीन लोगों की मौत हो गई । मृतकों की पहचान 12 वर्षीय सोहेल खान,28 वर्षीय अनिल कुमार पांडे और 21 वर्षीय समीर खान के रूप में हुई है । तीनों मृतक उत्तर प्रदेश के रहने वाले बताए जा रहे हैं । बताया जा रहा है के तीनों ने रात को खाना खाया जिसके बाद उनकी तबीयत खराब हो गई ।

आनन फानन में तीनों को अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी मौत हों गई । मौत किन कारणों से हुई इसकी पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही साफ हो पाएगी । आशंका लगाया जा रहा है के तीन लोगों की मौत फूड पॉइजनिंग से हुई होगी । वहीं फूड पॉइजनिंग से एक साथ तीन लोगों की मौत वो भी एक ही समय में कहीं न कहीं प्रश्न चिन्ह खड़ा कर दिया है । डिस्नीलैंड मेले में तीन लोगों के मौत के बाद लोगों ने इसे फौरन बंद करने की बात कही है साथ ही लोगों का कहना है के निर्दोष व्यापारियों की मृत्यु की मजिस्ट्रेट से जांच कराई जाए ताकि सत्य सामने आ सके। साथ ही कहा के निगम व प्रशासन का दायित्व बनता है कि उसके हर पहलुओं को प्रतिदिन निरीक्षण व जांच करते रहे ताकि कोई बड़ा हादसा न हो लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जिसके परिणाम स्वरूप तीन निर्दोष व्यापारियों की मृत्यु हो गई ।

डिज्नीलैंड मेला के तीन लोगों की मौत पर सांसद ने जताई गहरी संवेदना

डिज्नीलैंड मेला में दुकान संचालित तीन लोगों के आकस्मिक मौत पर कोरबा सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत ने हॉस्पिटल प्रबंधन से मौत की जानकारी ली व सांसद ने घटना पर दुख जताते हुए गहरी संवेदना व्यक्त की है व जिला प्रशासन व हॉस्पिटल प्रबंधन से मृतकों को सहयोग व अन्य संभावित प्रभावित लोगों को उचित इलाज का ध्यान रखने को कहा है।

प्री मानसून मेंटेनेंस में जुटा बिजली विभाग

बारिश में बिजली सप्लाई नही होगी बाधित

-संवाददाता-
बलरामपुर,25 मई 2024
(घटती-घटना)।

रामानुजगंज में प्री मानसून मेंटेनेंस का काम कराया जा रहा है। बिजली सप्लाई को बंद कर मेंटेनेंस का काम बारिश से पहले ही किया जा रहा है। ताकि मानसून के दौरान पेड़ गिरने से बिजली प्रभावित न हो। मेंटेनेंस काम के लिए संबंधित क्षेत्रों में विद्युत सप्लाई भी बंद की जा रही है. इस दौरान बिजली तार के ऊपर आने वाले पेड़ों की छंटाई कराई जा रही है। ऐसा करने से मानसून के दौरान पेड़ गिरने से बिजली सप्लाई प्रभावित नहीं होगी। जिले में बारिश के मौसम में अक्सर बिजली सप्लाई बाधित रहती है। इससे निजात पाने के लिए विद्युत विभाग ने प्री मानसून मेंटेनेंस काम शुरू किया है। रामानुजगंज शहर के विभिन्न वार्डो में शनिवार को मेंटेनेंस का काम बिजली विभाग के कर्मचारियों द्वारा किया जा रहा है। कई बार छोटी टहनियों के गिरने से बारिश के दिनों बिजली के तारों के आपस में जुड़कर सार्ट सर्किट होने की संभावना बनी रहती है। यही कारण है कि पेड़ों की छंटाई की जा रही है.बता दें कि रामानुजगंज में बिजली विभाग की ओर से मॉनसून आने से पहले मई के महीने से लेकर जून के पहले सप्ताह तक नियमित रूप से प्री मानसून मेंटेनेंस काम किया जा रहा है। इससे मॉनसून के दौरान आंधी-तूफान बारिश और तेज हवा के झोंकों से बिजली की सप्लाई बाधित नहीं होगी।

आज रामानुजगंज में वार्ड क्रमांक 1 से लेकर वार्ड क्रमांक 13 तक प्री मानसून मेंटेनेंस का काम चल रहा है। पेड़ों के डंगाल कटिंग किया जा रहा है। रामानुजगंज के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में अलग-अलग दिनों में प्री मानसून मेंटेनेंस काम किया जाएगा। ताकि भारी बारिश में पेड़ गिरने से बिजली सप्लाई प्रभावित न हो।
राकेश कुशवाहा,बिजली विभाग के कर्मचारी

बैंक मैनेजर सहित 3 लोगों को छेड़छाड़ के मामले में किया गया गिरफ्तार

-संवाददाता-
कोरबा,25 मई 2024
(घटती-घटना)

कोरबा के एचडीएफसी बैंक के मैनेजर और अन्य कर्मचारी के ऊपर युवती के साथ छेड़छाड़ करने का आरोप लगा है। इस मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने बैंक मैनेजर सहित 3 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक निहारिका स्थित एचडीएफसी बैंक में एक युवती काम करती थी। युवती का आरोप है कि बैंक में काम करने वाले बैंक मैनेजर शनि सिंह, बैंक मैनेजर उमाकांत शर्मा,अमन विश्वकर्मा छेड़छाड़ करते थे। इतना ही नहीं उसके ऊपर गलत आरोप भी लगाया जाता था । वहीं इस तरह से प्रताड़ित होने के बाद उसने एचडीएफसी बैंक में जॉब छोड़ दिया और दूसरे बैंक में जॉब करने लगी। युवती ने बताया कि वहां पर भी उनके द्वारा वहां के कर्मचारियों को युवती के बारे में गलत आरोप लगाया गया। इतना ही नहीं किसी युवक के साथ युवती का फोटो भी वायरल किया गया। जब सारी हदें पार हो गई तब युवती ने इसकी

शिकायत सिविल लाइन थाना पुलिस चौकी में की। सूचना पर मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने एचडीएफसी निहारिका बैंक के मैनेजर शनि सिंह शारदा विहार निवासी, एचडीएफसी दर्री के मैनेजर उमाकांत शर्मा, अमन विश्वकर्मा तुलसी नगर निवासी सहित एक युवती मुम्बई निवासी सुजाता के खिलाफ मामला दर्ज किया है। तीन आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया गया। वहीं सुजाता को पुलिस मुंबई से गिरफ्तार करने की बात कह रही है। बताया जा रहा है कि पीड़िता का बैंक मैनेजर और एक युवती के द्वारा फोटो भी वायरल किया गया जिसके आधार पर जांच की गई और सुजाता के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है। सिविल लाइन थाना प्रभारी सुमन पोया ने बताया कि युवती की शिकायत पर पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया और जांच कार्रवाई करते हुए तीन लोगों की गिरफ्तारी कर कोर्ट में पेश किया है।

पुलिस द्वारा मालवाहक गाड़ियों में सवारी बैठाने पर की गई कार्यवाही

-संवाददाता-
कोरबा,25 मई 2024
(घटती-घटना)

पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश पर विशेष अभियान चलाकर थाना/चौकी के मुख्य मार्ग, चौक चौराहों पर पेट्रोलिंग किया गया। इसी कड़ी में थाना चौकी एवं यातायात के द्वारा ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त से सखूत कार्यवाही करने का निर्देश दिया गया,जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यूबीएस चौहान एवं नेहा वर्मा के पर्यवक्षण में जिले के सभी राजपत्रित अधिकारी थाना/चौकी एवं यातायात के द्वारा मालवाहक गाड़ियों में व्यक्तियों को बैठाकर परिवहन करने वालों पर सख्त कार्यवाही किया गया है। दिनांक 24.05.24 को कोरबा पुलिस के द्वारा कुल 24 मालवाहक गाड़ियों पर सवारी बैठाने पर चालानी कार्यवाही की गई और कुल 55200/- समन शुल्क वसूला गया। पुलिस के द्वारा ओवर स्पीड वाहन चलाने वाले, तीन सवारी एवं अन्य प्रकरणों में 63 चालानी कार्यवाही में कुल 24300/- समन शुल्क जमा साथ ही साथ पुलिस के द्वारा 185 की कार्यवाही भी किया गया। लगातार हो रहे एक्सीडेंट में कमी लाने के लिए यह विशेष अभियान को चलाया गया । अभियान के तहत वाहनों को चेक किया गया और उन्हें समझाया गया कि ओवर स्पीड वाहन ना चलाएं, ना ही शराब पीकर वाहन चलाऐ और ना ही अपने करीबियों को नशे की हालत में वाहन चलाने दे और मालवाहक वाहन में माल के अलावा किसी अन्य चीज का परिवहन ना करें। उनको समझाया गया एवं हिदायत भी दिया गया है । कोरबा पुलिस आम नागरिकों से यह अपील करती है कि मालवाहक गाड़ियों में सवारी बैठक ना चले ना ही ओवर स्पीड, शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर आगे भी पुलिस के द्वारा कार्यवाही जारी रहेगी।

कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पीड़िता से किया गया बलात्कार

आरोपी को पुलिस ने पहुंचाया हवालात

-संवाददाता-
कोरबा,25 मई 2024 (घटती-घटना)

घटना कोरबा जिले के बांकी मोंगरा थाना क्षेत्र अंतर्गत निवासी पीड़िता द्वारा दिनांक 24/05/2024 को लिखित शिकायत दर्ज कराई ,जिसमे उल्लेखित किया गया के एक दोस्त के साथ घर पर आए उसके दोस्त राहुल शर्मा से परिचय होने के बाद कटघोरा में राहुल शर्मा द्वारा पीड़िता को कोल्ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाया और जिसके बाद चक्कर आने पर राहुल शर्मा द्वारा मुझे घर छोड़ने की बात कहकर अपनी मोटर सायकल में ढेलवाडीह के जंगल मे ले गया और जबरदस्ती कर उसके साथ बलात्कार किया साथ ही राहुल शर्मा द्वारा पीड़िता का अश्लील वीडियो व फ़ोटो अपने मोबाइल में बना लिया। जिसके बाद राहुल शर्मा द्वारा वीडियो व फ़ोटो को सोशल मीडिया में वायरल करने की धमकी देकर 2021 से 2024 तक रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, विशाखापट्टनम ले जाकर बलात्कार किया एवं पीड़िता से लगभग 3 लाख 75 हज़ार भी ले चुका है। इस दौरान माता पिता के द्वारा बांकीमोंगरा में ही शादी तय कर दी गई। जिसके बाद राहुल शर्मा द्वारा लड़के को बुलाकर उसको लड़की का वीडियो व फ़ोटो दिखाकर शादी तुड़वा दिया गया और पीड़िता एवं उसके माता-पिता को जान से मारने की धमकी दी गई। जिसके बाद तंग आकर कटघोरा थाना में आकर उक्त राहुल शर्मा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। जिसपर कटघोरा पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए तत्काल पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी को इसकी जानकारी दी गई । पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोरबा यूबीएस चौहान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कटघोरा नेहा वर्मा व एसडीओपी पंकज ठाकुर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कटघोरा धर्म नारायण तिवारी ने टीम गठित कर आरोपी राहुल शर्मा की पतासाजी शुरू की। मुखबिर की सूचना पर आरोपी राहुल शर्मा की गिरफ्तारी ग्राम सुलेसा, थाना बगीचा जिला जशपुर से किया गया एवं मामले की विवेचना कर आरोपी राहुल शर्मा पिता सरोज शर्मा, निवासी बांकीमोंगरा, थाना - बाकी मोगरा जिला कोरबा (छ. ग.) को अप.क्र. 265/2024 धारा - 376,384,341,294,506 भादवि के तहत न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया।

संक्षिप्त खेल समाचार

जूनियर महिला हॉकी टीम ने बेल्जियम को 4-2 से हराया

एंटवर्प,25 मई 2024। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने निर्धारित समय तक मुकाबला 2-2 से बराबर रहने के बाद शूटआउट में बेल्जियम को 4-2 से हरा दिया।भारत के लिए कनिका सिवाच ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल दागे।भारतीय टीम शुरुआत से ही लय में नजर आई और उसने पहले क्वार्टर में ही दबदबा बना लिया। शुरूआती पेनल्टी कॉर्नर पर कनिका ने भारत को बढ़त दिला दी। उसी क्वार्टर में कनिका ने अपना दूसरा गोल कर भारत को 2-0 से आगे कर दिया।

भारत ने अपनी लय दूसरे क्वार्टर में भी बरकरार रखी लेकिन इस क्वार्टर में कोई गोल नहीं हुआ और भारत ने आधे समय तक 2-0 की अपनी बढ़त बरकरार रखी। तीसरे क्वार्टर में बेल्जियम को पेनल्टी कॉर्नर सहित कुछ मौके मिले लेकिन भारतीय डिफेंस ने बेल्जियम को रोके रखा।आखिरी क्वार्टर में बेल्जियम ने अपना गतिरोध तोड़ते हुए जल्दी-जल्दी दो गोल दागे और निर्धारित समय में स्कोर बराबर कर दिया। शूटआउट में भारत ने 4-2 से बाजी मार ली। भारतीय जूनियर टीम अपना अगला मुकाबला जर्मनी से 26 मई को ब्रेडा में खेलेगी।

भारत को भाला फेंक में रजत और कांस्य

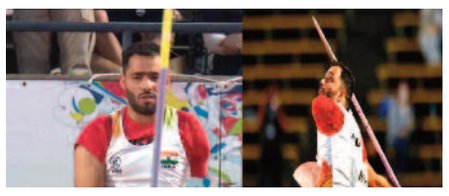

नई दिल्ली,25 मई 2024। भारत को विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में पुरूषों की एफ46 भालाफेंक स्पर्धा में दूसरे स्थान पर रहे श्रीलंका के दिनेश प्रियंथा हेराथ के खिलाफ शिकायत सही साबित होने पर रजत और कांस्य पदक दिया गया है। पुरूषों के एफ46 भाला फेंक में भारत के रिंकू हुड्डा और अजीत सिंह तीसरे और चौथे स्थान पर रहे थे लेकिन भारत ने विरोध दर्ज किया था कि हेराथ इस वर्ग में भागदारी के योग्य नहीं हैं। पैरा खेलों में समान शारीरिक अक्षमता वाले खिलाड़ियों को एक समूह में रखा जाता है ताकि प्रतिस्पर्धा बराबरी की हो।

केकेआर और एसआरएच के बीच फाईनल मैच आज

- 35 सेकेंड की टीम मीटिंग से पलटा पूरा गेम
- एसआरएच कोच ने बताई पैट कमिंस की खासियत
- फाइनल में गुरु गंभीर का दिमाग बनाम कप्तान कमिंस का दिल

चेन्नई,25 मई 2024। सर्वोत्कृष्ट रणनीतिज्ञ गौतम गंभीर ने रविवार को यहां आईपीएल के मेगा फाइनल में जब कोलकाता नाइट राइडर्स का सामना उत्साही सनराइजर्स हैदराबाद से होगा तो मुस्कुराते हुए क्रूर पैट कमिंस से अधिक अलग तरह के प्रतिद्वंद्वी के साथ दिमागी लड़ाई की कल्पना नहीं की होगी।प्रमुख खेल संघर्षों में हमेशा एक नेता को दूसरे के खिलाफ खड़ा किया जाता है, लेकिन यह आईपीएल फाइनल गंभीर के दिमाग के बारे में होगा, जो हमेशा एक ऐसे कप्तान के खिलाफ टिक-टिक करता रहता है जो सीमाओं को पार करके लोगों का नेता बन गया है।कहीं न कहीं, केकेआर के श्रेयस अय्यर, जो कप्तान के रूप में अपना दूसरा फाइनल खेल रहे हैं, एक साइड-शो में बदल गए हैं क्योंकि कमिंस के रूप में एक वैश्विक क्रिकेट रॉयल्टी को गंभीर के रूप में आईपीएल के राजा का सामना करना पड़ रहा है।एक दशक पहले, किसी ने भी कमिंस के कप्तान होने और छह महीने के अंतराल में एकदिवसीय विश्व कप, विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप और एशेज जीतने पर दांव नहीं लगाया होगा, और अब, स्त्रा को अपने पहले आईपीएल खिताब की ओर ले जाना सोने पर सुहागा होगा।

एसआरएच के सहायक कोच साइमन हेल्मोट ने कप्तान का वर्णन करते हुए कहा, एक बहुत ही व्यावहारिक व्यक्ति, बहुत विनम्र, अपने साथी साथियों और कोचिंग स्टाफ के प्रति बहुत सहानुभूति रखने वाला। वह आंकड़ों में माहिर है और वह जानकारी प्राप्त करता है जो उसे किसी विशेष प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ चाहिए होती है। संक्षेप में दूसरे क्वालीफायर में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ टीम की जीत के बाद।उन्होंने कहा, ÷वह (टीम) बैठकों में समय बर्बाद नहीं करते हैं। आज हमारी टीम की बैठक 35 सेकंड की थी। लेकिन, बहुत सारी जानकारी के बारे में पहले ही बात की जा चुकी है।÷दोनों टीमें पहले क्वालीफायर में मिलीं, जिसमें केकेआर ने मोटेरा के विशाल मैदान पर चतुर गेंदबाजी योजनाओं के साथ एसआरएच को हरा दिया और चेन्नई में, अय्यर की टीम फिर से पसंदीदा के रूप में शुरुआत करेगी।आखिरी बार केकेआर ने चेन्नई में आईपीएल फाइनल खेला था, यह 2012 में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ सबसे महाकाव्य प्रतियोगिताओं में से एक था, जिसने गंभीर की साख को एक चतुर नेता के रूप में स्थापित किया था।

उनके पास न केवल सही गेम प्लान था बल्कि उन कठिन वर्षों के दौरान उनका दिल भी सही जगह पर था।गंभीर ने 2014 में एक और खिताब जीता, जिसने उन्हें भावनात्मक रूप से पसंदीदा बना दिया और अब वह ऐसे व्यक्ति बनने की कगार पर हैं, जिसने कप्तान और सलाहकार के रूप में एक ही टीम के लिए आईपीएल ट्रॉफी जीती है।जाहिर तौर पर भारतीय मुख्य कोच के पद पर एक बड़ा लाभ गंभीर का इंतजार कर रहा है और एक ट्रॉफी न केवल उनकी साख को चमकाएगी बल्कि उन्हें उस भारतीय ड्रेसिंग में रखने की मांग भी बढ़ जाएगी।यदि कोई व्यक्ति-से-व्यक्ति तुलना को देखता है, तो केकेआर सुनील नरेन, आंद्रे रसेल, रिंकू सिंह, दो अय्यर-श्रेयस और वेंकटेश-दो राणा-नीतीश और हर्षित के साथ समग्र मैच विजेताओं के मामले में अधिक टिकता है।स्पिनर वरुण चक्रवर्ती उनके रैंक में हैं। हालाँकि, एसआरएच के अभिषेक शर्मा,नितीश रेड्डी जैसे अनकैप्ड घरेलू सितारों ने भुवनेश्वर कुमार, टी नटराजन और जयदेव उनादकट जैसे भारत के बाहर के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया है।

कठिन ट्रैक पर स्त्रा की रॉयल्स पर 36 रनों की जीत निश्चित रूप से उनके आत्मविश्वास को बढ़ाएगी, लेकिन उन्हें यह भी एहसास होना चाहिए कि चेपॉक का विकेट वरुण (20 विकेट) और नरेन (16 विकेट) के लिए तैयार किया जाएगा, जो पिछले कुछ समय से शानदार फॉर्म में हैं। मौसम।स्त्रा के स्पिन विभाग में आत्मविश्वास की कमी हो सकती है, लेकिन दिल के मामले में नहीं, जैसा कि अभिषेक और शाहबाज़ अहमद ने 8 ओवरों में 37 रन देकर 5 विकेट लेकर दिखाया,जिसने दूसरे क्वालीफायर का रुख बदल दिया।

अगर इसमें फाइनल खेलने का दबाव भी शामिल हो तो 180 से 200 के बीच का कोई भी लक्ष्य काफी प्रतिस्पर्धी हो सकता है।ट्रैविस हेड और हेनरिक क्लासेन ने मुश्किल सतह पर रन बनाए, लेकिन अभिषेक, राहुल त्रिपाठी और रेड्डी जैसे खिलाड़ियों को स्त्रा को विजयी बनाने के लिए अपने जीवन का मैच खेलना होगा।ऐसे ट्रैक पर जहां गेंदों की गति को नियंत्रित करना महत्वपूर्ण होगा, केकेआर के युवा तेज गेंदबाज हर्षित और वैभव अरोड़ा को हेड के खिलाफ लीक से हटकर सोचना होगा, जिन्होंने अब तक 567 रन बनाए हैं।आईपीएल फाइनल का एक दिलचस्प पहलू यह है कि इस मैच में भारत की मुख्य टी 20 विश्व कप टीम का कोई सदस्य शामिल नहीं है। फाइनल से जुड़े एकमात्र भारतीय खिलाड़ी रिंकू सिंह होंगे, जो रिजर्व में हैं।यह फिर से एक कहानी बताता है कि आईपीएल ज्यादातर टीमों द्वारा जीता जाता है जहां गंभीर और कमिंस द्वारा विकसित टीम संस्कृति के सामने ऑरेंज कैप या पर्पल कैप को ज्यादा प्राथमिकता नहीं मिलती है।

टीमें

सनराइजर्स हैदराबाद:- अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, हेनरिक क्लासेन (विकेटकीपर), एडेन मार्करम, अब्दुल समद, नितीश रेड्डी, शाहबाज अहमद, पैट कमिंस (कप्तान),भुवनेश्वर कुमार, जयदेव उनादकट, टी नटराजन, मयंक मारकंडे, उमरान मलिक, अनमोलप्रीत सिंह , ग्लेन फिलिप्स (विकेटकीपर), राहुल त्रिपाठी, वॉशिंगटन सुंदर, उपेन्द्र यादव (विकेटकीपर), जथावेध सुब्रमण्यन, सनवीर सिंह, विजयकांत व्यासकांत, फजलहक फारूकी, मार्को जानसेन, आकाश महाराज सिंह, मयंक अग्रवाल।

कोलकाता नाइट राइडर्स:- श्रेयस अय्यर (कप्तान),केएस भरत, रहमानुल्लाह गुरबाज, रिंकू सिंह, अंगकृष रघुवंशी, शेरफेन रदरफोर्ड, मनीष पांडे, आंद्रे रसेल, नितीश राणा, वेंकटेश अय्यर, अनुकूल रॉय, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, सुनील नरेन, वैभव अरोड़ा, चेतन सकारिया,हर्षित राणा, सुयश शर्मा,मिशेल स्टार्क,दुष्मंथा चमीरा,साकिब हुसैन और मुजे ईबी उर रहमान।

मैच शाम 7.30 बजे शुरू होगा.

हम टी 20 विश्व कप में भी उलटफेर करेंगे: अली खान

ह्यूस्टन(अमेरिका),25 मई 2024। बांग्लादेश के ख़िलाफ़ संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा टी 20 श्रृंखला में 2-0 की अपराजेय बढ़त बनाने के बाद तेज़ गेंदबाज़ अली ख़ान ने कहा है कि यह सीरीज़ जीत महज़ एक संयोग नहीं है और उनकी टीम आगामी टी 20 विश्व कप में भी कई उलटफेर करने के लिए तैयार है।ख़ान ने मैच के बाद कहा, हम भूखे हैं और हमारे रास्ते में आने वाली हर चुनौती से निपटने के लिए तैयार हैं। यह समय अभी हमें ज़रूरत के हिसाब से बदलाव और सामंजस्य बैठाने का है। टीम काफ़ी संतुलित लग रही है और खिलाड़ियों के भीतर भी जीत की भूख है। मैं इस बात को लेकर आश्वस्त हूं कि इस बार अमेरिका ज़रूर कुछ उलटफेर करेगा। हम अमेरिका को विश्व क्रिकेट के मानचित्र पर अंकित करना चाहते हैं। जब आप किसी बड़ी टीम के ख़िलाफ़ जीत दर्ज करते हैं तो लोग कई बार इसे संयोग करार दे देते हैं।लेकिन एक ही सीरीज़ में बार बार पटखनी देना संयोग नहीं है। अगर हमें अवसर मिले तो हम भी अपना टैलेंट और स्किल दिखा सकते हैं। अली ख़ान इस श्रृंखला में चोट के बाद वापसी कर रहे थे और उन्होंने दूसरे टी20 में तीन विकेट लिए, जिसके चलते उन्हें प्लेयर ऑफ़ द मैच भी चुना गया। नई गेंद से स्पैल करने के बाद वह 18वें ओवर में गेंदबाज़ी के लिए आए। तब बांग्लादेश को तीन ओवर में जीत के लिए सिर्फ़ 21 रन चाहिए था और अनुभवी शाकिब अल हसन भी क्रीज़ पर मौजूद थे। ख़ान ने पहली ही गेंद पर शाकिब को पवेलियन चलता कर दिया और उसी ओवर में उन्होंने तंज़िम हसन का भी शिकार कर लिया। 145 के लक्ष्य का पीछा कर रही बांग्लादेश इन झटकों से उबर ही नहीं पाई और ख़ान ने अंतिम ओवर में बांग्लादेश की पारी का अंतिम विकेट लेकर विपक्षी टीम को 138 के स्कोर पर समेट दिया।

भारतीय महिला तीरंदाजी ने तुर्की को हराकर स्वर्ण पदक किया सुरक्षित

नई दिल्ली,25 मई 2024। भारतीय महिला कंपाउंड तीरंदाजी ने तुर्की को हराकर स्वर्ण पदक सुरक्षित किया ज्योति सुरेखा वेन्नम, परनीत कौर और अदिति स्वामी ने तीरंदाजी विश्व चैंपियनशिप में भारत के लिए लगातार तीसरा स्वर्ण पदक जीता है.। ज्योति सुरेखा वेन्नम, परनीत कौर और अदिति स्वामी ने तीरंदाजी विश्व चैम्पियनशिप में तुर्की को एकतरफा कंपाउंड महिला टीम फाइनल में 232-226 से हराकर भारत के लिए लगातार तीसरा स्वर्ण पदक जीता।

शरवरी वाघ की हॉरर-कॉमेडी मुंज्या का ट्रेलर जारी

7 जून को सिनेमाघरों में देगी दस्तक फिल्म

शरवरी वाघ को पिछली बार फिल्म बंटी और बबली 2 में देखा गया था, जो 2021 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।अब 4 साल के लंबे अंतराल के बाद शरवरी सिल्वर स्क्रीन पर वापसी करने को तैयार हैं।इन दिनों वह अपनी आगामी फिल्म मुंज्या को लेकर चर्चा में हैं, जिसका ट्रेलर सामने आ गया है। इसमें हॉरर के साथ कॉमेडी का तगड़ा लगा है।स्त्री और भेड़िया के बाद यह निर्देशक दिनेश विजान की तीसरी हॉरर-कॉमेडी फिल्म है।मुंजया के ट्रेलर की बात करें तो एक जगह है चेतुकवाड़ी जो श्रापित है वहां पर एक पेड़ भी श्रापित है। जिसके नीचे मुंजया रहते हैं। कहते हैं कि वह किसी मुन्नी से शादी करना चाहता था, लेकिन उससे पहले ही उसकी मौत हो गई। उसी दिन से मुंजया अपनी वंशज के इंतजार में मुक्त होने के लिए इंतजार कर रहा है और अपनी आखिरी इच्छा पूरी करना चाहता है। मुंजया की इच्छा पूरी न होने के कारण वह ऑब्सेसिव लवर बन चुका है।बहुत पुराने से पेड़ के अंदर एक छुपे भूत जो अपने वंशज का इंतजार कर रहा है और इंतजार में कई सालों से भटक रहा है। आखिरकार उसे अपना वंशज मिल जाता है। इसके बाद कॉमेडी और हॉरर की कहानी शुरू होती है। इस फिल्म का ट्रेलर खौफनाक के साथ कॉमेडी का तड़का भी लगता है। इसके साथ ही बता दे की कंप्यूटर जनरेटर इमेज के जरिए इसके हीरो और विलन मुंजया को बनाया गया है।मुंज्या में अभय वर्मा, मोना सिंह और एस सत्यराज भी अहम भूमिका में नजर आएंगे, जिनकी झलक ट्रेलर में साफ दिख रही है।निर्माताओं ने लिखा, मुन्नी के लिए मुंज्या जान दे भी सकता है और ले भी सकता है।इस फिल्म का निर्देशन आदित्य सरपोतदार ने किया है। दिनेश विजान और अमर कौशिक इस फिल्म के निर्माता हैं। योगेश चांदेकर ने इसकी कहानी लिखी है।यह फिल्म 7 जून, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है।

विश्वक सेन की गैंगस्टर कहानी गैंग्स ऑफ गोदावरी 31 मई को रिलीज होगी

मास का दास विश्वक सेन ने अपनी बड़ी ब्लॉकबस्टर फलकनुमा दास से नाम कमाया है। अब, वह अपनी आगामी गैंगस्टर फिल्म, गैंग्स ऑफ गोदावरी में एक साहसी गैंगस्टर लंकाला रथना के रूप में आ रहे हैं।दिलचस्प बात यह है कि निर्माताओं ने फिल्म को फलकनुमा दास की ही तारीख 31 मई को रिलीज करने के लिए चुना है। मेकर्स ने पूरे विश्वास के साथ बताया है कि विश्वक सेन की यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रचेगी और ब्लॉकबस्टर जरूर बनेगी।विश्वक सेन ने भी फिल्म पर ऐसा ही भरोसा जताया है और उनका मानना है कि गैंग्स ऑफ गोदावरी उनके करियर की एक मील का पत्थर फिल्म होगी.बेहद लोकप्रिय संगीतकार युवान शंकर राजा फिल्म के लिए संगीत तैयार कर रहे हैं और एल्बम का मधुर एकल सुत्तमला सूसी पहले ही वायरल हो चुका है। 10 मई को टीम ने गैंग्स ऑफ गोदावरी का थीम सॉन्ग बीएडी रिलीज किया।हाल ही में जारी किए गए टीज़र के साथ, निर्माता लंकाला रथना के रवैये और धूसर दुनिया को प्रदर्शित करने में सक्षम हुए हैं, जिसने कई फिल्म-प्रेमियों की कल्पना पर कब्जा कर लिया है। टीजर के बाद फिल्म के प्रति उत्सुकता काफी बढ़ गई है।फिल्म का लेखन और निर्देशन कृष्णा चैतन्य कर रहे हैं। जबकि सूर्यदेवरा नागा वामसी, सीथारा एंटरटेनमेंट के साई सौजन्या, फॉर्च्यून फोर सिनेमाज क्रमशः इसका निर्माण कर रहे हैं। वेंकट उप्पुतुरी और गोपीचंद इनुमुरी फिल्म का सह-निर्माता हैं और श्रीकारा स्टूडियो इसे प्रस्तुत कर रहा है।खूबसूरत अभिनेत्री नेहा शेट्टी और अंजलि फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। अनिथ मदादी फिल्म की सिनेमैटोग्राफी संभाल रहे हैं जबकि राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता संपादक, नवीन नूली इसका संपादन कर रहे हैं।

रिवीलिंग लहंगा पहने टीवी की नागिन सुरभि ज्योति ने ढाया कहर

कातिलाना अदाएं देख फैंस रह गए दंग

टीवी की खूबसूरत अभिनेत्री सुरभि ज्योति हमेशा अपने लुक्स के कारण चर्चाएं बटौरती रहती हैं। उनका हर एक अंदाज इंस्टाग्राम पर पोस्ट होते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में अभिनेत्री ने अपने लेटेस्ट एथनिक लुक्स की तस्वीरें शेयर कर फैंस को दीवाना बना दिया है। इन तस्वीरों में उनकी हुस्न की बेबाक अदाएं देखकर फैंस मंत्रमुग्ध हो गए हैं।एकता कपूर के सीरियल नागिन 3 में बेला का किरदार निभाकर हर दूसरे घर की चहेती एक्ट्रेस बनीं सुरभि ज्योति आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं।उनकी हर एक तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही तेजी से वायरल होने लगती थी। साथ ही फैंस उनके हर एक लुक पर जमकर प्यार लूटाते थे।अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट एथनिक लुक में फोटोशूट करवाया है। इन तस्वीरों में उनकी हुस्न की बेबाक अदाओं ने फैंस को उनके हुस्न का कायल कर दिया है।बता दें एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी तारीफ करते हुए नहीं थकते हैं।इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं सुरभि ज्योति ने पिंक कलर का सिजलिंग लहंगा पहना हुआ है, जिसमें वो बला की खूबसूरत नजर आ रही हैं।ओपन हेयर, कानों में झुमके, स्टाइलिश लुक और न्यूड मेकअप कर के एक्ट्रेस सुरभि ज्योति ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।सुरभि ज्योति सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है।

बॉलीवुड में रहना है तो सुंदर दिखना होगा: जैकलीन फर्नांडिस

बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस इन दिनों कान फिल्म फेस्टिवल में धूम मचा रही हैं। हर दिन सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें वायरल हो रही हैं।जैकलीन फिल्मों के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी अक्सर सुर्खियां बटोरती रहती हैं।इस बीच अब हाल ही में एक इंटरव्यू में जैकलीन ने अपने करियर के शुरुआती दिनों को याद किया और कई खुलासे किए।साथ ही साथ जैकलीन ने बॉलीवुड में अभिनेत्रियों के संघर्षों के बारे में भी कई बातें कहीं।जब जैकलीन से पूछा गया कि उनके करियर की शुरुआत में उन्हें सबसे बुरी सलाह क्या मिली थी।इसके जवाब में अभिनेत्री कहती हैं, एक बार मैं जिम में थी और तब मैं बॉलीवुड में नई-नई ही आई थी। वहां एक अभिनेता भी जिम कर रहे थे। मैंने जब उन्हें बताया कि मैं अपने उच्चारण को सुधारने के लिए क्लास ले रही हूं, तब उन्होंने कहा मुझे इसकी जरुरत नहीं है। यहां टिकने के लिए खूबसूरत दिखना जरूरी है।जैकलीन अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं, अगर आप खूबसूरत दिखेंगी तो आपके लिए सब आसान हो जाएगा। मैंने उनकी बातों पर ध्यान नहीं दिया। कई बार कई लोगों ने मुझे कहा कि मैं अपने नाक की सर्जरी करवाऊं क्योंकि वह मेरे चेहरे पर सही नहीं लगती, लेकिन मैंने ऐसा नहीं किया।हालांकि,जैकलीन मानती हैं कि बॉलीवुड में कई सुंदर बदलाव भी हो रहे हैं।अभिनेत्री इन दिनों अपनी आगामी फिल्म फतेह की शूटिंग में व्यस्त हैं।

दे दे प्यार दे 2 से बाहर हुए अनिल कपूर

वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स बनी वजह?

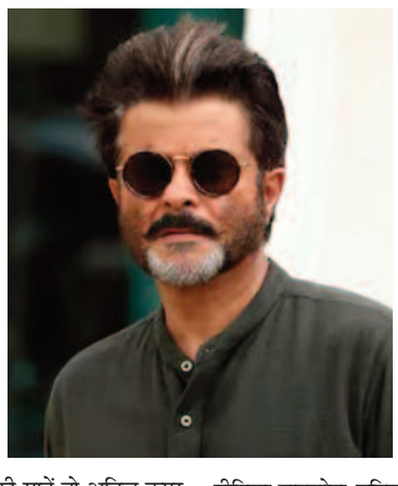

दे दे प्यार दे 2 की घोषणा के बाद से ही फिल्म को लेकर काफी उम्मीदें हैं। जहां अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह फिल्म के सीक्वल के लिए एक बार फिर साथ आने के लिए तैयार हैं। चर्चा थी कि अनिल कपूर ने भी अहम किरदार निभाने के लिए हां कह दी है। हालांकि, अब जानकारी सामने आई है कि अनिल कपूर ने फिल्म से अपना नाम वापस ले लिया है। साथ ही इसके पीछे की बड़ी वजह भी सामने आ गई है।मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अनिल कपूर ने दे दे प्यार दे 2 की जगह वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की फिल्म को चुना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दे दे प्यार दे 2 की शूटिंग का एक बड़ा हिस्सा वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स फिल्म में अनिल कपूर की शूटिंग की तारीखों के साथ ओवरलैप हो गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जब अनिल को दोनों में से किसी एक को चुनना था तो उन्होंने आने वाली जासूसी फिल्मों में रॉ के प्रमुख के तौर पर काम करना चुना।मीडिया रिपोर्ट में आगे कहा गया है, अनिल कपूर जून में अपने डिजिटल कार्यकाल सूबेदार की शूटिंग भी करते नजर आएंगे। बहुत अधिक ओवरलैपिंग थी और इसलिए उन्होंने डीडीपीडी 2 से दूर जाने का फैसला किया। हालांकि, यह पहला प्रोजेक्ट नहीं है जिसे अनिल को डेट की समस्या के कारण छोड़ना पड़ा। हाल ही में उन्होंने तारीखों का हवाला देते हुए वेलकम टू द जंगल और हाउसफुल 5 से भी किनारा कर लिया था। काम के मोर्चे पर, अनिल कपूर को आखिरी बार रणबीर कपूर की एनिमल और दीपिका पादुकोण-ऋतिक रोशन स्टारर फाइटर में देखा गया था। वह वॉर 2 और आलिया भट्ट की सुपर सोलिडर में अभिनय करेंगे। उम्मीद है कि अभिनेता 2024 की दूसरी छमाही में वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की दोनों फिल्मों में अपने हिस्से की शूटिंग करेंगे। इस बीच, दे दे प्यार दे 2 1 मई, 2025 को रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। फिल्म का निर्देशन अंशुल शर्मा द्वारा किया जाएगा। वहीं, इसकी कहानी तरुण जैन और लव रंजन ने लिखी है।

सिकंदर को लेकर आई ये बड़ी अपडेट

सुपरस्टार सलमान खान की पिछली फिल्म 'टाइगर 3' पिछले साल आई थी। फिल्म फैंस को पसंद आई, लेकिन उतना बिजनेस नहीं कर पाई जितनी उम्मीद थी। अब सलमान 'सिकंदर' को लेकर चर्चाओं में है। 'सिकंदर' की शूटिंग शेड्यूल को लेकर नई अपडेट आई है। रिपोर्ट्स की मानें तो शूटिंग जून में शुरू होगी। फिलहाल डायरेक्टर मुरुगादास अपनी तमिल एक्शन फिल्म की शूटिंग में बिजी हैं, जिसमें शिवकार्तिकेयन लीड रोल में हैं। वे जल्द इसका काम निपटाकर पूरी तरह से 'सिकंदर' पर फोकस करना चाहते हैं। बॉलीवुड हंगामा ने मिड डे के हवाले से एक रिपोर्ट छापी है। इसमें लिखा कि मुरुगादास 'सिकंदर' के फ्लोर पर जाने से पहले रू्य 23 की शूटिंग पूरी करने की कोशिश कर रहे हैं। 'सिकंदर' का पहला शेड्यूल मुंबई में होगा। इसके लिए फिल्म की टीम अगले हफ्ते से लोकेशन रेकी पर निकलेगी। मई के अंत में सलमान फिल्म के लिए कुछ फोटोशूट करवाएंगे। शूटिंग 20 जून से शुरू होगी। मुरुगादास एक्शन सीक्वेंस पहले शूट करना चाहते हैं। एक्शन डायरेक्टर अभी सेट-पीस की कोरियोग्राफी कर रहे हैं। सलमान 'सिकंदर' के एक्शन खुद करना चाहते हैं बिना बॉडी डबल के। उन्होंने वर्कआउट रूटीन में भी बदलाव किए हैं। जून की शुरुआत में डायरेक्टर सलमान और रश्मिका मंदाना के साथ स्क्रिप्ट रीडिंग सेशन शुरू करेंगे। सिकंदर में सलमान और साजिद नाडियाडवाला 10 साल बाद फिर से साथ काम कर रहे हैं। 'सिकंदर' ईद 2025 पर सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी।

धमाके से दहला छत्तीसगढ़ का बेमेतरा जिला

धमाके से हिल गई बेमेतरा जिले की 800 मीटर तक की धरती

रायपुर,25 मई 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले के बेरला ब्लॉक के ग्राम बोरसी बारूद फैक्ट्री में जोरदार ब्लास्ट हो गया। धमका इतना जोरदार था कि फैक्ट्री के पांच किलोमीटर के गांवों में झटके महसूस किए गए। गांव के कई घरों को इस ब्लास्ट में नुकसान हुआ है। वहीं, ब्लास्ट के संबंध में बताया जा रहा है कि फैक्ट्री के अंदर कई लोग मलबे में दबे हुए है। और करीब कई लोगों की मौत की खबर भी मिल रही है। जिस समय ये ब्लास्ट हुआ उस समय सुबह की शिफ्ट में कर्मचारी फैक्ट्री के अंदर काम कर रहे थे।

घटना के तीन घंटे बाद भी नहीं पहुंची मदद

ब्लास्ट बेरला थाना के बोरसी स्पेशल ब्लास्ट लिमिटेड फैक्ट्री की है। बारूद फैक्ट्री में आज (शनिवार) सुबह साढ़े छह बजे धमाका हुआ। ब्लास्ट इतना जबरदस्त था कि फैक्ट्री पूरी तरह से ब्लास्ट में ढह गई। धमाके में कई लोग घायल और कुछ लोगों की मौत की खबर है। घायलों को रायपुर के लिए रेफर किया जा रहा है। इधर, हादसे के तीन घंटे बाद भी शासन-प्रशासन का कोई जिम्मेदार व्यक्ति मौके पर नहीं पहुंच पाया था। ब्लास्ट के तीन घंटे बीत जाने के बाद प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। अभी भी ब्लास्ट का धुआं उठ रहा है। ग्रामीणों की भीड़ मौके पर है। दमकल और पुलिस की टीम रेस्क्यू कर रही है।

बेमेतरा हादसे में उद्योग और श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने जताया दुःख, अधिकारियो से मांगी शीघ्र विस्तृत रिपोर्ट

बेमेतरा के स्पेशल ब्लास्ट लिमिटेड बारूद फैक्ट्री में हुए हादसे पर उद्योग और श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने उद्योग, श्रम विभाग को फोन पर निर्देशित किया की तत्काल राहत कार्य शुरू करें। घायल हुए श्रमिकों को बेहतर इलाज की व्यवस्था करें।हादसे में हुई लोगों की मौत पर मंत्री देवांगन ने गहरा दुख व्यक्त किया और शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना जताई है। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की भी कामना की और कहा कि स्थानीय प्रशासन प्रभावितों की हरसंभव मदद कर रहा है। मंत्री देवांगन ने बारूद फैक्ट्री में दुर्घटना के संबंध में फैक्ट्री के द्वारा सुरक्षा व श्रम मानको के पालन के संबंध में शीघ्र परीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने तथा पीड़ितों को नियमानुसार आवश्यक मदद उपलब्ध कराने निर्देशित भी किया। मंत्री देवांगन ने अपने एक्स सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर ट्वीट कर लिखा है कि बेमेतरा के बारूद फैक्ट्री स्पेशल ब्लास्ट लिमिटेड में आज दुखद हादसा की खबर आई है। घटना किन वजहों से हुई है, सुरक्षा व श्रम मानको के पालन के संबंध में शीघ्र परीक्षण करने के निर्देश उच्च अधिकारियों को निर्देश दिया गया है। पीड़ितों को आवश्यक राहत दिलाने हेतु निर्देश दिया गया है। विभाग द्वारा राहत और बचाव हेतु सतत निगरानी की जा रही है।

बारूद फैक्ट्री ब्लास्ट मामले में कांग्रेस करेगी जांच, 8 सदस्यीय समिति का किया गठन

छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में बोरसी के बारूद फैक्ट्री में आग लग गई। आगजनी से बड़ा धमाका हुआ। जिसमें 8-10 लोगों के मारे जाने और 10-12 लोगों के घायल होने की खबर है। ब्लॉस्ट का असर फैक्ट्री के कई किलोमीटर दूर तक महसूस किया गया। इस घटना की जाँच के लिए छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी 8 सदस्यीय समिति का गठन किया है।

बेमेतरा बारूद फैक्ट्री विस्फोट मामले की होगी जांच,सीएम ने दिया आदेश,मृतक परिवार को पांच लाख देने की घोषणा

बेमेतरा जिले के बोरसी गांव स्थित बारूद फैक्ट्री में हुए विस्फोट मामले में छत्तीसगढ़ सरकार ने दंडाधिकारी जांच के आदेश दे दिए हैं। दुर्घटना में मृतक परिवार के लिए पांच लाख रुपए और घायलों के लिए पचास हजार रुपए की घोषणा मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने की है।सीएम साय ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा है कि बेमेतरा जिले के बोरसी गांव स्थित बारूद फैक्ट्री में हुए विस्फोट मामले के दंडाधिकारी जांच के आदेश दे दिए गए हैं। दुर्घटना में हुई मौत पर मृतक के परिजनों को पांच लाख रुपए एवं घायलों को पचास हजार रुपए आर्थिक सहायता देने की आदेश भी दे दिए गए हैं। घायलों को समुचित इलाज के लिए रायपुर लाया जा रहा है। मौके पर राहत एवं बचाव कार्य की उच्चस्तरीय निगरानी की जा रही है। ईश्वर से मृतक की आत्मा की शांति एवं घायलों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूँ।

बारूद फैक्ट्री में हुए ब्लास्ट में अब तक 12 की मौत

6 मजदूरों का इलाज जारी,

छत्तीसगढ़ के बेरला ब्लॉक स्थित ग्राम पिरदा स्थित स्पेशल ब्लास्ट लिमिटेड के बारूद फैक्ट्री में आज शनिवार सुबह ब्लास्ट हो गया, बारूट फैक्ट्री में ब्लास्ट की आवाज से आस-पास के गांव के लोग बड़ी संख्या में घटनास्थल पर जमा हो गए हैं। इस घटना में 12 लोगों की मौत और कई मजदूरों के घायल होने की खबर सामने आ रही है। ब्लास्ट से घायल मजदूरों को उपचार के लिए रायपुर के मेकाहारा अस्पताल में लाया गया है, जहां उपचार के दौरान एक मजदूर की मौत हो गई है। छह घायलों का उपचार जारी है। बारूद फैक्ट्री में ब्लास्ट से घायल हुए मजदूरों में रवि कुमार कुर्रे (26 वर्ष), नीरज यादव (25 वर्ष), चंदन कुमार (27 वर्ष), मनोहर यादव (26 वर्ष), इंद्रकुमार रघुवंशी (26 वर्ष), दिलीप ध्रुव (47 वर्ष) और सेवक राम साहू (50 वर्ष) को उपचार के लिए मेहाकारा में लाया गया था, जहां उपचार के दौरान सेवक राम साहू की मौत हो गई है।

मजदूरों ने बताया घटना की भयावह स्थिति

बारूद फैक्ट्री में हुए ब्लास्ट और उसके बाद बनी स्थिति का आंखों देखा हाल फैक्ट्री के घायल मजदूरों ने बयां किया है. घायल मजदूरों ने बताया कि वे फैक्ट्री की दूसरी यूनिट में काम कर रहे थे. जिस यूनिट में ब्लास्ट हुआ,वहां आठ से ज्यादा लोग काम कर रहे थे,वे लोग मलबे में दफन हो गए होंगे। इस घटना से जुड़ा एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें ब्लास्ट और उसके बाद फैली शॉक वेव को देखा जा सकता है। बारूद फैक्ट्री में ब्लास्ट से घायल मजदूरों को मेकाहारा में भर्ती कराया गया है। घायल मजदूरों ने बताया कि धमाका इतना भयानक था कि देखते-देखते बिल्डिंग का परखच्चा उड़ गया। हम तुरंत भागे. जिस यूनिट में ब्लास्ट हुआ,वहां आठ से ज्यादा लोग काम कर रहे थे. शायद ही उनमें से कोई जिंदा बचे होंगे।

डिप्टी सीएम अरुण साव मौके पर पहुंचे

फिलहाल घटना की अधिकारिक जानकारी नहीं मिल पाई है। बेमेतरा कलेक्टर मौके पर है। डिप्टी सीएम अरुण साव मौके पर पहुंचे और चल रहे रेस्क्यू की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने कहा कि बेमेतरा जिले के बोरसी में एक बारूद फैक्ट्री में अत्यंत हृदय विदारक घटना हुई है। मैं लगातार प्रशासन के संपर्क में हूं। बचाव कार्य के लिए आस-पास के जिलों से टीमें बुलाई गई है। मौके पर प्रशासन का राहत एवं बचाव कार्य जारी है। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उपचार किया जा रहा है। प्रशासन का पूरा ध्यान राहत और बचाव कार्य पर है। मैं स्वयं भी घटना स्थल के लिए तुरंत निकल रहा हूं।

संक्षिप्त खबर

कांग्रेस नेता जेल से दोबारा गिरफ्तार हुआ

बिलासपुर,25 मई 2024(ए)। पुलिस ने कांग्रेस नेता व जमीन दलाल अकबर खान का जेल प्रोडक्शन वारंट लेकर उसे दोबारा गिरफ्तार किया है। अकबर के खिलाफ महिला ने अपने मकान पर अवैध कब्जा करने के लिए धमकाने का आरोप लगाया था, जिस पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने के बाद उसकी गिरफ्तारी की है।

स्वास्थ्य विभाग ने की प्राइवेट हॉस्पिटल को सील करने की कार्रवाई

गरियाबंद,25 मई 2024(ए)। जिले के गांव छुरा में एक आदिवासी महिला की मौत के बाद प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लक्ष्मी नारायण हॉस्पिटल को सील कर दिया है। अस्पताल में महिला के पेट का ऑपरेशन किया गया था, जिसके बाद महिला की मौत हो गई। वहीं मृत आदिवासी महिला का ऑपरेशन करने वाले चिकित्सक के खिलाफ भी कार्रवाई करने की तैयारी है।

पेपर मिल में लगी भीषण आग

रायपुर,25 मई 2024(ए)। चिलचिलाती गर्मी के साथ छत्तीसगढ़ में आगजनी की घटनाओं में वृद्धि होने लगती है,इसी कड़ी में खबर सामने आ रहा है कि छत्तीसगढ़ की राजधानी से उमरिया स्थित पेपर मिल में भीषण आग लग गई है। बताया जा रहा है कि मौके पर तीन फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौजूद है।

झीरम पर सियासत,नक्सली मुठभेड़ पर कांग्रेस का बड़ा आरोप

» कहा-पीडिया मुठभेड़ में ग्रामीणों का दावा सभी मारे गये लोग नक्सली नहीं थे...

रायपुर,25 मई 2024(ए)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि बीजापुर के पीडिया में विगत दिनों सुरक्षा बलो एवं नक्सलियो के बीच मुठभेड़ की खबर सामने आई थी। 10 मई 2023 को हुये इस मुठभेड़ में 12 लोगो की मौत हुई थी तथा इस घटना में 6 लोग घायल हुये,जिसके संबंध में पुलिस का दावा था कि मारे गये सभी लोग नक्सली थे। लेकिन घटना के बाद ग्राम पीडिया और इंतवार के ग्रामीणों का कहना है कि घटना में मारे गये सभी लोग नक्सली नहीं थे। ग्रामीणों के इस दावे के बाद प्रदेश कांग्रेस ने घटना की वस्तुस्थिति जानने एक जांच दल का गठन किया था जो मौके पर गई तथा ग्रामीणों से बात-चीत कर घटना के संबंध में जानकारी एकत्र किया।

दिनांक 16.05.2024 दिन गुरुवार को जांच दल प्रातः 10:00 बजे बीजापुर से पीडिया के लिए संयोजक संतराम नेताम,सदस्यगण मान. विधायक इन्द्रशाह मंडावी,विक्रम मंडावी,जनकलाल ध्रुव,श्रीमती सावित्री मंडावी,रजनू नेताम,शंकर कुडियम एवं छविन्द्र कर्मा रवाना हुए। अस्वस्थ होने के कारण पूर्व विधायक श्रीमती देवती कर्मा जांच दल में शामिल नहीं हो पाई। पीड़ित परिवार के परिजन श्रीमती सुक्की कुंजाम,कु. ललिता, श्रीमती अवलम समली,बुधरू राम बारसे, श्रीमती पोदिया,श्रीमती बोदे से अलग-अलग पुछताछ कर ब्यान लिया गया जिन्होंने अपने ब्यान में बताया कि पीडिया नक्सली मुठभेड़ में मल्लेपल्ली निवासी बुधू ओयाम,पालनार निवासी कल्लू पुनेम,ईतावार निवासी-लक्खे कुजाम, उण्डा छोटू,उरसा छोटू सुक्कू ताती,चैतु कुंजाम,सुनीता कुजाम,कु. जागो बरसी, पीडिया निवासी सन्नु अवलम,भीमा ओयाम,दुला तामो को पुलिस ने नक्सली बताकर मार दिये। ईत्तावार निवासी कु. कुंजाम गुल्ली, कु. लेखा देवी,कुंजाम जिला,कुंजाम बदरू एवं पीडिया निवासी पोयाम नन्दू को घायल होना बताये। उन्होने यह भी बताया गया है कि मृतक मल्लेपल्ली निवासी बुधू ओयाम एवं पालनार निवासी कल्लू पूनेम नक्सली गतिविधियों में संगम सदस्य के रूप में कार्य करते थे। बाकि शेष मृतक व घायल किसी भी प्रकार के नक्सली गतिविधियों में शामिल नहीं थे। पुलिस निर्दोष आदिवासियों को नक्सली बताकर ईनाम एवं प्रमोशन लेने के लिए घटना को अंजाम दिये है घटना का न्यायिक जांच होना चाहिए।

पीसीसी ने पिड़िया मुठभेड़ की हाईकोर्ट के जज की निगरानी में जांच की उठाई मांग

प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने बीजापुर के पिड़िया में हुए नक्सली मुठभेड़ की जांच के लिए जिस कमेटी का गठन किया था, उसकी रिपोर्ट आज मीडिया के समक्ष पेश करते हुए पार्टी ने इस मुठभेड़ की हाईकोर्ट के जज की निगरानी में जांच की मांग की है।

नीट का गलत पेपर बांटने मामला आया सामने

» कोर्ट ने याचिका की निराकृत

» एनटीए की कमेटी करेगी मामले की जांच...

बिलासपुर,25 मई 2024(ए)। नीट (राष्ट्रीय प्रवेश पात्रता परीक्षा) की परीक्षा में बालोद जिले के परीक्षार्थियों को गलत पेपर सेट बांटने के मामले को लेकर दायर याचिका हाईकोर्ट ने निराकृत कर दी है। सुनवाई के दौरान मामले की नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने बताया कि मामले की जांच के लिए एक कमेटी बनाई गई है, जिसमें याचिकाकर्ता का पक्ष भी सुना जाएगा।

बंट गए थे गलत प्रश्न पत्र

बता दें कि नीट परीक्षा के लिए बालोद जिले मे सेंटर रखा गया था। यहां पर परीक्षा का जो सेट परीक्षार्थियों को दिया गया वह सही नहीं था। गलत सेट बांटे जाने की जानकारी मिलने के बाद सही सेट का वितरण किया गया। इसमें 50 मिनट का विलंब हो गया। सही प्रश्नपत्र सभी परीक्षार्थियों को देर से मिले, इसलिये उन्होंने केंद्राध्यक्ष से अतिरिक्त समय की मांग की,लेकिन नहीं दिया गया। इसके चलते कई परीक्षार्थियों को प्रश्न हल करने चूक गए। इसे लेकर एक परीक्षार्थी लिपिका सोनबाई ने हाईकोर्ट में नीट के खिलाफ याचिका दायर की थी। इसमें पर्याप्त अवसर देते हुए फिर से परीक्षा लेने की मांग की गई थी। इस मामले में चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस पीपी साहू की बेंच के समक्ष एनटीए की ओर से जवाब दिया गया कि उक्त मामले की जांच के लिए एक कमेटी बना दी गई है,जिसका 10 दिन में जवाब आ जाएगा। इसमें याचिकाकर्ता का पक्ष भी लिया जाएगा। हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता छात्रा को कमेटी के समक्ष अपना पक्ष रखने को कहा है।

पटवारी हुआ सस्पेंड

फर्जी ऋण पुस्तिका में किया डिजिटल हस्ताक्षर, बैंक से निकाला 22 लाख रुपए का लोन

जांजगीर,25 मई 2024(ए)।जमीन घोटाले में गिरफ्तार पटवारी को सस्पेंड कर दिया गया है। जिले में 2.5 एकड़ जमीन को फर्जी ढंग से 12 एकड़ दर्ज कराने और गरियाबंद जिले के एचडीएफसी बैंक से इस जमीन को बंधक रख 22 लाख रूपए का लोन लेने के मामले में पुलिस ने ग्राम सिलादेही के तत्कालीन पटवारी दयाराम साहू (47 साल) को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। यह बिर्रा थाना क्षेत्र का मामला था।

13 मई को दयाराम साहू को जमीन फेरबदल के मामले में गिरफ्तार किया था। विभाग की तरफ से 13 मई की तारीख से ही दयाराम साहू को सस्पेंड करने का आदेश दिया है। आपको बता दे की शासकीय नियम के मुताबिक कोई भी शासकीय अधिकारी या कर्मचारी अगर 48 घंटे से ज्यादा वक्त तक जेल में बंद होता है, तो उसे शासकीय नियमों के अनुसार सस्पेंड कर दिया जाता है। इस नियम के तहत दयाराम साहू को भी विभाग ने सस्पेंड किया है।

बीजेपी नेता के भतीजे की साली ने किया सुसाइड

मृतका के ससुराल वाले फरार

दुर्ग,25 मई 2024(ए)। जिले के जवाहर नगर निवासी एक नवविवाहिता ने शादी के 11 महीने बाद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलने पर ओडिशा से दुर्ग पहुंचे उसके मायके वालों ने न सिर्फ ससुराल वालों पर दहेज के लिए मारपीट करने का आरोप लगाया, बल्कि उन्होंने हत्या तक की आशंका जता दी। घटना की खबर मिलते ही मोहन नगर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है। मृतका, भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव सिंह के भतीजे की साली बताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि नुआपाड़ा ओडिशा निवासी आरके सिंह की बेटी अर्पिता (33) की शादी 11 महीने पहले जवाहर नगर दुर्ग निवासी सौरभ राजपूत से हुई थी। गुरुवार की रात को उसकी लाश उसके कमरे में फंदे पर झूलती मिली। ससुराल वाले उसे फंदे से उतारकर जिला अस्पताल ले गए। जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस को इसकी जानकारी मिली तो उन्होंने मृतका के मायके वालों को भी इसकी जानकारी दी। मृतका के मायके वाले भी दुर्ग पहुंचे हुए हैं। उनके पहुंचते ही मृतका का पति और उसके ससुराल वाले फरार हो गए हैं।

33 नक्सलियों ने डीआईजी आईजी के सामने डाले हथियार

» किया खुलासा-प्रताड़ित करते थे हार्डकोर लीडर

बीजापुर,25 मई 2024(ए)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में 33 नक्सलियों के आत्मसर्पण करने की खबर सामने आई है। इन सभी ने सीआरपीएफ डीआईजी, आईजी के सामने सरेंडर किया है। बता दें कि ये सभी गंगालूर क्षेत्र के जनताना सरकार के बताए जा रहे हैं। वहीं, आत्मसमर्पण करने के दौरान इन्होंने हार्डकोर नक्सलियों पर दबाव और प्रताड़ित करने का आरोप भी लगाया है। कोंटा में एनकाउंटर जारी कोन्टा के किद्रेलपाड़ इलाक़े में डीआरजी जवानों की नक्सलियों से मुठभेड़ चल रही है । जवान,नक्सलियों की फ़ायरिंग मुंहतोड़ जवाब दे रहे हैं ।अब भी मौक़े पर रूक रूक कर मुठभेड़ जारी है। कई नक्सलियों के घायल होने की खबर है ।नक्सलियों के 26 मई को बंद के आह्वान से पहले सुरक्षाबलों ने आपरेशन तेज किया है ।एसपी किरण चव्हाण ने मुठभेड़ की पुष्टि की है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)